दैनिक
न्याय की गुहार
सांध्य न्यूज

वर्ष 04 ▸ अंक 149 ▸ पृष्ठ 8
रीवा, शनिवार, 7 जून 2025
जेष्ठ शुक्ल पक्ष 12 विक्रम संवत 2080 ▸ नगर ▸ मूल्य 2.00 रुपए

सिंधु जल संधि, पाकिस्तान ने भारत को 4 लेटर भेजे

पानी देने की गुहार लगाई, एक चिट्ठी ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी भेजी

नई दिल्ली।

भारत ने एक महीने पहले बगलिहार और सलाल डैम के गेट बंद कर दिए थे। इसका असर पाकिस्तान में चिनाब के जलस्तर पर पड़ रहा है। सिंधु जल संधि बहाल करने को लेकर पाकिस्तान ने अब तक भारत को चार लेटर भेजे हैं। सूत्रों के हवाले से लिखा कि इन चार लेटर में से एक ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजा गया है।

सूत्रों ने बताया कि ये चार पत्र पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा ने जल शक्ति मंत्रालय को भेजे थे। इसके बाद मंत्रालय ने उन्हें विदेश मंत्रालय ;डम्ब्द्ध को भेज दिया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 में पाकिस्तान के साथ हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इसके तहत सिंधु वाटर सिस्टम की 3 पूर्वी नदियों का पानी भारत इस्तेमाल कर सकता है और बाकी 3 पश्चिमी नदियों के पानी पर पाकिस्तान को अधिकार दिया गया था। अब जल संधि स्थगित होने से पाकिस्तान में जल संकट मंडराने लगा है।

भारत.पाकिस्तान के बीच का सिंधु जल समझौता क्या है?

सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं. सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47: जमीन पाकिस्तान, 39: जमीन भारत, 8: जमीन चीन और 6: जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच स्टैंडस्टिल समझौता हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत-पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के पीएम नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

पूर्वी नदियों पर भारत के 5 बड़े प्रोजेक्ट चालू, 3 की तैयारी

भारत ने पूर्वी नदियों यानी सतलुज पर भाखड़ा नागल बांध, ब्यास पर पोंग बांध, रावी पर रंजीत सागर बांध और हरिके बैराज, इंदिरा नहर जैसे प्रोजेक्ट लगाए हुए हैं। ये सभी प्रोजेक्ट चालू हैं, जिससे भारत इन नदियों के 3.3 करोड़ एकड़ फीट पानी में से करीब 94: पानी का इस्तेमाल करता है। 2019 में उरी आतंकी हमले के बाद भारत ने कहा था कि वह इन नदियों का बहाव मोड़कर 100: पानी अपने यहां इस्तेमाल करेगा। इसके बाद रावी पर शाहपुर कांडी प्रोजेक्ट, सतलुज ब्यास नहर लिंक प्रोजेक्ट और रावी की सहायक नदी पर उझ डैम बनाया जा रहा है। हालांकि, अभी ये प्रोजेक्ट पूरी तरह बनकर तैयार नहीं हुए है।

पश्चिमी नदियों पर भारत के 2 प्रोजेक्ट चालू, 2 की तैयारी

पाकिस्तान के हिस्से वाली पश्चिमी नदियों में चिनाब पर भारत ने बगलिहार डैम और रतले प्रोजेक्ट, चिनाब की एक और सहायक नदी मारुसूदर पर पाकल डुल प्रोजेक्ट और झेलम की सहायक नदी नीलम पर किशनगंगा प्रोजेक्ट शुरू किया है। इनमें से बगलिहार प्रोजेक्ट और किशनगंगा चालू हैं।

सिंधु जल समझौते से पूरी तरह बाहर आने के बाद इन बांधों और परियोजनाओं के जरिए भारत वेस्टर्न रिवर्स का ज्यादा से ज्यादा पानी इस्तेमाल करना शुरू कर सकता है। हालांकि, डैम बनाकर और उनमें पानी स्टोर करके ऐसा रातोंरात नहीं किया जा सकता। पश्चिमी नदियों में पूरी सिंधु जल प्रणाली का करीब 80: पानी है। इसे अचानक रोकने से भारत के पंजाब और जम्मू.कश्मीर के इलाकों में बाढ़ की स्थिति भी बन सकती है।

नोबेल विजेता थनबर्ग जहाज से गाजा मदद ले जा रहीं

अमेरिका.ब्रिटेन से सुरक्षा मांगी, इजराइल बोला, घुसने नहीं देंगे

तेल अवीव। गाजा के लोगों के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहीं स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग आज गाजा तट पर पहुंच सकती हैं। वे मैडलीन नाम के एक जहाज पर सवार हैं, इसमें उनके साथ 11 और लोग हैं। ग्रेटा अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवाए अनाजए बच्चों के लिए दूधए डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही हैं। इस बीच, इजराइल सरकार ने कहा है कि वह जहाज को गाजा में घुसने नहीं देगी। जरूरत पड़ी तो इसे रोकेगी और उसमें मौजूद लोगों को गिरफ्तार भी कर सकती है। इजराइल की धमकी के बाद जहाज पर मौजूद लोगों ने अमेरिका और ब्रिटेन से मदद की गुहार लगाई है।

जहाज पर हमला कर सकता है इजराइल

इजराइल की धमकी के बाद फिलिस्तीनी मूल की अमेरिकी नेता रशीदा तलीब ने ट्रम्प प्रशासन को एक पत्र लिख अमेरिकी विदेश मंत्रालय से मैडलीन जहाज को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने की मांग की है। चिठ्ठी में रशीदा ने कहा कि इजराइल इस जहाज पर हमला या रोकटोक कर सकता है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा। इसके साथ ही इजराइल सरकार से गाजा पर लगी नाकाबंदी हटाने और फिलिस्तीनियों की भुखमरी को समाप्त करने की मांग की गई है।

मैडलीन मिशन क्या है?

इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में राहत सामग्री की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा रखी हैए जिससे वहां 23 लाख लोगों में से 93: भुखमरी का सामना कर रहे हैं। दर्जनों बच्चे भूख से मर चुके हैं। मैडलीन जहाज का मकसद इन लोगों तक मदद पहुंचाना है। यह यात्रा फ्रीडम फ्लोटिला संगठनश् नाम के एक संगठन ने शुरू की है जो पहले भी गाजा को मदद पहुंचाने की कोशिश कर चुका है। ग्रेटा और उनका दल इजराइल की उस घेराबंदी का विरोध कर रहे हैं जो गाजा पर कई सालों से चल रही है।

इजराइल क्यों रोक रहा

शुरुआत में इजराइल इस जहाज को गाजा में डॉक करने की अनुमति देने के लिए विचार कर रहा था, बशर्ते कि यह सुरक्षा के लिए कोई सुरक्षा खतरा न बने। लेकिन इजराइल की सरकारी ब्रॉडकास्टर के मुताबिक अब सरकार ने अपना फैसला बदल लिया है। अब इजराइल का तर्क है कि अगर एक बार मैडलीन जैसे जहाज को मंजूरी दी गई तो आगे चलकर इस तरह की कोशिशों को बढ़ावा मिलेगा। इससे इजराइल के समुद्री प्रतिबंध कमजोर पड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ सकता है। इसलिए सरकार ने यह साफ कर दिया है कि मैडलीन को गाजा तट से पहले ही रोक दिया जाएगा।

17 साल से गाजा को घेरे है इजराइल

इजराइल ने गाजा पट्टी 17 साल से नाकेबंदी कर रखी है। साल 2007 में जब हमास ने गाजा पर पूरी तरह से नियंत्रण हासिल कर लिया था, तो इजराइल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए गाजा की समुद्री सीमाओं, हवाई रास्तों और भूमि सीमाओं पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए। इजराइल ने गाजा की समुद्री सीमाओं पर एक नौसैनिक घेरा बना रखा है। इसका मतलब यह है कि कोई भी जहाज या नाव बिना इजराइल की अनुमति के गाजा के समुद्र तक नहीं पहुंच सकती। इजराइल का कहना है कि यह नाकेबंदी उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी है। अगर इसमें ढील दी गई तो हमास जैसे आतंकी गुट समुद्र के रास्ते हथियार ला सकते हैं और इजराइली नागरिकों को खतरे में डाल सकते हैं।

विकास और पर्यावरण में समरसता ही सतत विकास का मार्ग : राकेश सिंह

लोकनिर्माण विभाग द्वारा पर्यावरण से समन्वय विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

राज्यव्यापी सड़क निरीक्षण अभियान 8 से 10 जून तक

रीवा। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर विभाग के पर्यावरण हितैषी नवाचार एवं ग्रीन टेक्नोलॉजीस पर केंद्रित पर्यावरण से समन्वय विषय पर गतदिवस कार्यशाला का आयोजन हुआ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम मुख्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग अब केवल भौतिक निर्माणों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जल संरक्षण, हरित तकनीकों के उपयोग और पारिस्थितिकी संतुलन को अपनी कार्यप्रणाली में प्राथमिकता से शामिल करेगा। उन्होंने विभाग की पर्यावरणीय सोच और भविष्य की कार्यनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण में समरसता ही सतत विकास का मार्ग है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण केवल एक नारा नहीं बल्कि विभाग की बुनियादी कार्यनीति है, जिसमें अब पर्यावरणीय संतुलन भी स्वाभाविक रूप से शामिल है। उन्होंने कहा कि विकास की गति के साथ.साथ प्रकृति का संरक्षण अब हर अभियंता की जिम्मेदारी है।

मंत्री श्री सिंह ने बताया कि विभाग अब सड़क किनारे रिचार्ज बोर का निर्माण कर रहा हैए जिससे वर्षा जल को भूगर्भ में पहुंचाकर ग्राउंड वाटर रिचार्ज किया जा सकेगा। मंत्री श्री सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग एक जुलाई को एक

लाख पौधे लगाएगा। यह अभियान स्कूलों में चल रहे एक पेड़ माँ के नाम 2.0 से भी समन्वित होगा। मंत्री श्री सिंह ने आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए 8 से 10 जून तक राज्यव्यापी सड़क निरीक्षण अभियान चलाने की घोषणा की। इसमें सभी अभियंता सड़कों की स्थिति, जलभराव, गढ्ढों और रखरखाव की जरूरतों का आंकलन करेंगे। रिपोर्ट 11 जून मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव ने कहा कि निर्माण कार्यों को अब केवल भौतिक अधोसंरचना तक सीमित न रखते हुए पर्यावरण संरक्षण को उसका अनिवार्य अंग बनाया जाना चाहिए।

लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्रीय मुख्यालय रीवा में विंध्या रिट्रीट रतहरा में लोक निर्माण विभाग अंतर्गत एमपीआरडीसी, एमपीबीडी, एनएच, लोनिवि भवन, लोनिवि सड़क/पुल के लगभग दो सौ अभियंता कार्यशाला में शामिल हुए एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रीवा परिक्षेत्र में 5000 पौधे लगाने एवं 50 लोक सरोवर निर्मित किए जाने का संकल्प लिया गया। परिक्षेत्रीय कार्यशाला में मुख्य अभियंता (भवन) एससी वर्मा, मुख्य अभियंता (बी/आर) संजय खांडे एवं मुख्य अभियंता (बी/आर) आरएल वर्मा द्वारा उपस्थित अभियंताओं को प्रशिक्षण की तकनीकी, सामाजिक एवं पर्यावरण से संबंधित जानकारी से अवगत कराया गया तथा उपस्थित अभियंताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन सुधीर शुक्ला अनुविभागीय अधिकारी द्वारा किया गया।

संपादकीय

..और चिंतन करे कांग्रेस

मध्यप्रदेश में संगठन सृजन अभियान पर आए राहुल गांधी द्वारा घोड़ों की उपमा देकर अपने नेताओं की सक्रियता, क्षमता और निष्ठा पर सवाल उठाना इन दिनों सुर्खियों में है। राहुल गांधी ने लंगड़े घोड़ों को लेकर जो बयान दिया है उस पर विवाद की स्थिति बन चुकी है। भाजपा के साथ दिव्यांगजनों द्वारा राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति दर्ज कराए जाने के अपने मंतव्य हो सकते हैं लेकिन इसके इतर सवाल यह है कि राहुल गांधी आखिर लंगड़े घोड़ों से किन नेताओं की तुलना कर रहे थे? क्या इस तुलना से कांग्रेस के संगठन में बदलाव और सृजन का जो दिवास्वप्न देखा जा रहा है वह पूरा हो सकेगा? क्या राहुल गांधी निर्विवाद रूप से तय कर पाएंगे कि कौन रेस का घोड़ा है, कौन सा बारात का और कौन सा लंगड़ा? संगठन सृजन की रणनीति भले ही यह हो कि रेस वाले को चुनाव लड़ाना है, बारात वाले को संगठन का काम देना है और लंगड़े घोड़े को रिटायर करना है लेकिन इस पर अमल होना आसान नहीं। खुद कांग्रेस जन ही आशंकित हैं। यह आशंका राहुल गांधी के सामने ही एक जिलाध्यक्ष ने व्यक्त कर भी दी थी। सवाल यह भी कि क्या राहुल गांधी अपनी उस बात पर भी गंभीरता से मंथन करेंगे जिसमें उन्होंने यह स्वीकारा कि अब तक कांग्रेस रेस के घोड़ों को बारात में डाल देती थी और बारात के घोड़ों को रेस में। क्या अब तक इस गफलत के लिए कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अपनी जिम्मेदारी को स्वीकारेगा? इस गफलत के चलते ही कांग्रेस पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में न अपनी सरकारों को बचा नहीं पाई। और न मध्यप्रदेश-हरियाणा में भाजपा शासित सरकारों के लंबे कार्यकाल के बाद भी उन्हें सत्ता से बाहर कर पाई। इन राज्यों में हार से शीर्ष नेतृत्व कोई सबक लेता भी नहीं दिखा रहा। राजस्थान छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, पंजाब और हरियाणा में पार्टी के इस हाल के लिए क्या कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की विकलांगता जिम्मेवार नहीं है? यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में भी शशि थरूर और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच मुकाबले में गांधी परिवार का पक्षपात साफ दिखा था। भारत सरकार के डेलीगेशन में थरूर जो भूमिका निभा रहे हैं उसके बाद यह सवाल फिर उठ रहा है कि क्या थरूर कांग्रेस के लिए रेस के घोड़े नहीं थे? राहुल गांधी यह भूल रहे हैं कि बदलाव की प्रक्रिया शीर्ष से प्रारंभ होती है। राज्यों में संगठन सृजन के साथ शीर्ष नेतृत्व में सालों से दिख रहे चेहरों की उपयोगिता का आंकलन भी अब जरूरी है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती उसके विधायक का ही राहुल गांधी से वह सवाल है कि राज्य में चुनाव जिताने वाला एक भी नेता नहीं दिखता। राहुल भले ही इसके जवाब में दस नेताओं की बात कहें लेकिन हकीकत फिलहाल तो इससे बिल्कुल अलग दिखती है।

फैक्ट ऑफ द डे

बापू वकील से बन गए आंदोलनकारी

भारतीय इतिहास में 7 जून का दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा सिविल डिसओबीडिअन्स मूवमेंट यानी सविनय अवज्ञा आंदोलन के पहली बार इस्तेमाल के लिए जाना जाता है। 1893 में महात्मा गांधी एक साल के कॉन्ट्रैक्ट पर वकालत करने दक्षिण अफ्रीका गए थे। वह उन दिनों दक्षिण अफ्रीका के नटाल प्रांत में रहते थे। किसी काम से दक्षिण अफ्रीका में वह एक ट्रेन के फर्स्ट क्लास कंपार्टमेंट में सफर कर रहे थे। उनके पास वैध टिकट भी था लेकिन उनको सफेद रंग का नहीं होने के कारण कंपार्टमेंट से निकल जाने को कहा गया। गांधीजी रेलवे अधिकारियों से भिड़ गए और कहा कि वे लोग चाहें तो उनको उठाकर बाहर फेंक सकते हैं लेकिन वह खुद से कंपार्टमेंट छोड़कर नहीं जाएंगे। वास्तव में अन्याय के खिलाफ खड़े होने की यही हिम्मत तो सविनय अवज्ञा थी।

पशु चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित हुआ विधिक जागरूकता शिविर

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पशु चिकित्सा महाविद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभा शर्मा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम एवं सायबर कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पॉक्सो अधिनियम में बालक.बालिकाओं की सुरक्षा हेतु कड़े प्रावधान किए गए हैं और इस संबंध में सब को जागरूक करने की आवश्यकता है ताकि बालक.बालिकाएं सुरक्षित रह सकें। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने नालसा नशा उन्मूलन योजना के बारे में जानकारी देते हुए नशे के दुष्परिणामों के बारे में छात्र.छात्राओं को अवगत कराया और उन्हें नशे की गिरफ्त मे न आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम मे स्वागत उद्बोधन पशु चिकित्सा महाविद्यालय के प्रभारी डीन डॉ. नीतेश कुमार ने दिया और आभार डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्पिता श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में पशु चिकित्सा महाविद्यालय के प्राध्यापक विकास मिश्रा, आनंद पाण्डेय, सुमित सिंह, भारती शर्मा, डॉ. अजीत सिंह, स्वेता गुप्ता एवं डॉ. मुनीन्द्र द्विवेदी एवं समाजसेवी जयप्रकाश मिश्रा एवं छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे।

अवैध अप्रवासी बोझ बन गए हैं...

यह जनांकिकीय, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा है और यदि इसको सुलझाया नहीं गया तो भविष्य में घुसपैठ और बढ़ सकती है। दक्षिण एशिया की आधी से अधिक जनसंख्या उन क्षेत्रों में रहती है जहां पर वर्ष 2050 तक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव गंभीर हो जाएगा और यदि इन स्थानों से भारी संख्या में लोगों ने पलायन किया तो इससे अवैध अप्रवासान और बढ़ेगा। अकेले बंगलादेश में पर्यावरणीय नुकसान से डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों के पलायन की संभावना है। समय की मांग है कि इन अवैध अप्रवासियों के बारे में कठोर नीति अपनाई जाए और समयबद्ध उपाय किए जाएं। हमें इस बात को ध्यान में रखना होगा कि इतिहास में विनाश सरकार की गलतियों और राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध नीतियां अपनाने से हुए हैं।

पूनम आई. कौशिश

वर्ष 1975 में साइगोन के पतन के बाद राजनीतिक अत्याचार की आशंका के चलते दक्षिण वियतनाम से हजारों लोगों ने पलायन किया। आधुनिक इतिहास में समुद्री मार्ग द्वारा शरण लेने वालों का यह सबसे बड़ा पलायन था और इन लोगों को वोट पीपुल का नाम दिया गया। विश्व के विभिन्न देशों ने इन शरणार्थियों को शरण दी। अमरीका ने पश्चाताप की भावना से बड़ी संख्या में इन लोगों को शरण दी। ब्रिटेन, जापान, आस्ट्रेलिया, थाईलैंड, मलेशिया और यहां तक कि छोटे से देश बरमूडा ने भी इन लोगों को शरण दी।

वर्ष 1989 में विश्व समुदाय ने इन वोट पीपुल के बारे में अपनी सोच बदली और अब ये उनके गले की फांस बन गए हैं और उसके बाद वोट पीपुल की एक नई श्रेणी आर्थिक शरणार्थी बनी, जिसमें किसान, फैक्टरी कामगार और श्रमिक थे, जो अन्य देशों में बेहतर जीवन के लिए पलायन करने लगे। भारत में 50 वर्षों में इतिहास अपनी पुनरावृत्ति कर रहा है। यहां के वोट पीपुल अर्थात अवैध अप्रवासी हमारे पड़ोसी देशों से भारी संख्या में यहां आ रहे हैं और अपने लिए नई आर्थिक संभावनाएं तलाश रहे हैं। इन अवैध अप्रवासियों का आगमन बंगलादेश से 1971 के युद्ध के बाद हुआ। उसके बाद पाकिस्तान और म्यांमार से भी पलायन होने लगा। उस समय से करीब 5 करोड़ अवैध अप्रवासी भारत में आ चुके हैं और अब वे देश के गले की फांस बन गए हैं।

जिस तरह वर्ष 1989 में अवैध अप्रवासियों ने विश्व समुदाय की सहानुभूति खोई, उसी तरह नई दिल्ली भी जाग गया है और उसने भी अपना स्वर बदल दिया है। भारत सरकार उनको वापस भेजने की बातें कर रही है। पिछले सप्ताह लगभग 2000 बंगलादेशीयों को वापस भेजा गया। उसके बाद त्रिपुरा, मेघालय और असम में बंगलादेश सीमा सहित पूरे देश में उनके सत्यापान की प्रक्रिया गुजरात से शुरू हुई, जहां से वापस भेजे गए अवैध अप्रवासियों में से आधे से अधिक गुजरात से हैं। इसके बाद दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान और असम में भी यही कार्रवाई की गई। दिल्ली की पूर्ववर्ती आप सरकार ने भी बंगलादेशी नागरिकों को वापस भेजने का प्रयास किया। इसके अलावा असम से भी अवैध बंगलादेशीयों को वापस भेजने की आवाज बार-बार उठ रही है। बिहार के 7 जिलों, पूर्वोत्तर, राजस्थान, बंगाल तथा दिल्ली में 15 लाख से अधिक अवैध अप्रवासी हैं। महाराष्ट्र में 1 लाख से अधिक अवैध बंगलादेशी अप्रवासी हैं। मिजोरम में बाहरी व्यक्तियों के विरुद्ध अक्सर हिंसक आंदोलन होते हैं। पिछले दो दशकों में नागालैंड में अवैध अप्रवासियों की संख्या 20,000 से बढ़कर 75,000 पहुंच गई है। त्रिपुरा में स्थानीय पहचान समाप्त होने को है। वर्ष 1951 में यहां स्थानीय लोग 59.1 प्रतिशत थे, जो घटकर 21.7 प्रतिशत हो गए हैं।

असम में बाहरी लोगों के विरुद्ध भावना असम आंदोलन का प्रमुख कारण रहा है जिसके कारण वहां हिंसा भी हुई है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने विदेशी अधिकरण का इस्तेमाल किया, जिसने 25 मार्च, 1971 की तारीख को राज्य में नागरिकता देने की तारीख निर्धारित की और इससे हजारों लोगों का भविष्य अधर में लटक गया। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के सूत्रों के अनुसार आई.एस.आई. ने पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को इस्लामिक शासन के अंतर्गत लाने के लिए आपरेशन पिन कोड शुरू किया है। सरकार कई बार एक मूल समुदाय का दूसरे मूल समुदाय पर वर्चस्व स्थापित करने के साधन के रूप में भी अप्रवास के लिए उन्हें बाध्य करती है। फिर इस समस्या का समाधान क्या है? क्या हमें इस संबंध में अतिवादी विचारों को हवा देनी चाहिए? इस संबंध में वोट बैंक की राजनीति पर भी विचार करना चाहिए।

विपक्षी दल यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि सरकार इन अवैध अप्रवासियों के विरुद्ध मानवीय दृष्टिकोण अपनाए किंतु यह आसान नहीं है। इसके अलावा बंगलादेश और म्यांमार में चीन का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे भारत के लिए खतरा बढ़ गया है, इसलिए इस समस्या के समाधान के लिए भारत और म्यांमार दोनों सरकारें आपस में सहयोग करने पर विचार कर रही हैं। भारत म्यांमार सरकार के सैन्य अधिकारियों से अच्छे संबंध बना रहा है ताकि पूर्वोत्तर क्षेत्र में उपद्रवियों के विरुद्ध कार्रवाई करने में उसकी सहायता मिल सके क्योंकि इनमें से अधिकतर उपद्रवी म्यांमार के जंगलों में हैं।

व्यावहारिक रूप से सीमा प्रबंधन के लिए कठोर नीति आवश्यक है। सीमा पर पुलिस व्यवस्था में स्थानीय लोगों को भर्ती किया जाना चाहिए क्योंकि यदि आप सीमा पर किसी को घुसपैठ करने से नहीं रोक सकते, तो फिर आप उन्हें वापस नहीं भेज सकते। यह जनांकिकीय, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा है और यदि इसको सुलझाया नहीं गया तो भविष्य में घुसपैठ और बढ़ सकती है। दक्षिण एशिया की आधी से अधिक जनसंख्या उन क्षेत्रों में रहती है जहां पर वर्ष 2050 तक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव गंभीर हो जाएगा और यदि इन स्थानों से भारी संख्या में लोगों ने पलायन किया तो इससे अवैध अप्रवासान और बढ़ेगा। अकेले बंगलादेश में पर्यावरणीय नुकसान से डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों के पलायन की संभावना है। समय की मांग है कि इन अवैध अप्रवासियों के बारे में कठोर नीति अपनाई जाए और समयबद्ध उपाय किए जाएं। हमें इस बात को ध्यान में रखना होगा कि इतिहास में विनाश सरकार की गलतियों और राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध नीतियां अपनाने से हुए हैं। **(लेखक के निजी विचार हैं।)**

क्या सेहत के लिए कैक्टस जेल खाना फायदेमंद है?

कैक्टस का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में रेगिस्तान में उगने वाला वो पौधा सामने आ जाता है, जो पतले हरे चौड़े और मोटे पत्ते होते हैं, और उसमें कांटे लगे हो। लेकिन, क्या आपको पता है कई लोग इस कैक्टस जेल का इस्तेमाल अपनी स्किन को हेल्दी रखने के लिए करते हैं। जबकि कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो इस कैक्टस जेल को खाते भी हैं। जी हां, कैक्टस जेल का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। नोपाल कैक्टस का इस्तेमाल स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए नए नेचुरल मेडिसिन के रूप में किया जाता है। कैक्टस जेल कैक्टस पौधे की पत्तियों के अंदर पाए जाने वाला गाढ़ा या हल्का हरा पदार्थ होता है। यह जेल देखने में एलोवेरा जेल की तरह होता है और इसमें कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं। ऐसे में आइए डाइटिशियन गीतांजलि सिंह से जानते हैं इसे खाने के स्वास्थ्य फायदों के बारे में-

● क्या कैक्टस जेल खाना सुरक्षित है?

जी हां, कुछ खास किस्मों के कैक्टस जेल को खाना सेहत के लिए पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। बस जरूरी है कि वह सही तरीके से साफ और तैयार किया गया हो खाने के लिए। प्रिकली पीयर और नोपल कैक्टस की पत्तियों के जेल को उबालकर, भूनकर या कच्चा भी सलाद के रूप में खाया जा सकता है।हालांकि, हर कैक्टस खाने लायक नहीं होता है, लेकिन नोपल कैक्टस का सेवन आपके सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसलिए, आप डॉक्टर की सलाह पर नोपल कैक्टस का सेवन कर सकते हैं।

1. डायबिटीज में फायदेमंद

कैक्टस जेल में घुलनशील फाइबर होता है, जो खाने के पाचन को धीमा करता है और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद करता है। यह टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

2. पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

फाइबर से भरपूर कैक्टस जेल का सेवन करने से कब्ज की समस्या से राहत मिल सकती है और यह आपके आंतों को साफ करने में भी मदद करता है। यह पेट में गैस, जलन, और अपच जैसी समस्याओं को ठीक करने में फायदेमंद होता है।

3. वजन घटाने में मददगार

कैक्टस जेल में कैलोरी की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है, जिससे आप ज्यादा खाने से बचते हैं। इससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

4. कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है

कैक्टस जेल में पाए जाने वाले गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं, जो आपके दिल के स्वास्थ्य को बेहतर रखने में मदद करता है।

5. एंटीऑक्सिडेंट गुण

कैक्टस जेल में मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट्स शरीर को फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता है, जिससे स्किन पर एजिंग, सूजन और कुछ बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

6. स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

कैक्टस जेल का सेवन आपकी स्किन को नमी देने, झुर्रियों को कम करने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह अंदर से आपके शरीर को डिटॉक्स करता है, जिससे स्किन नेचुरल तरीके से चमकदार बनती है।

कैक्टस जेल का सेवन कैसे करें?

कैक्टस जेल खाने के लिए सबसे पहले आप इसकी पत्तियों को काटकर इसके कांटे निकाले और फिर उसे पानी से धोकर उसके अंदर का जेल निकाल लें।

इस जेल को आप सलाद में मिलाकर खा सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसे स्मूदी, जूस या नींबू पानी में मिलाकर भी पी सकते हैं। इतना ही नहीं इसे हल्की भाप में पका कर सब्जी के रूप में भी खाया जा सकता है।

कैक्टस जेल खाते समय किन बातों का ध्यान रखें?

▶▶ कैक्टस को खाने से पहले आपको यह देखना जरूरी है कि वह खाने लायक है या नहीं।

▶▶ शुरुआत में इसे खाने के लिए थोड़ी मात्रा में इसका सेवन करें, ताकि शरीर को इसकी आदत हो सके।

▶▶ प्रेग्नेंट महिलाओं या किसी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

▶▶ कुछ लोगों को इससे एलर्जी या पेट दर्द जैसे रिएक्शन हो सकते हैं, इसलिए उन्हें इसके सेवन से बचना चाहिए।

▶▶ कैक्टस जेल एक नेचुरल सुपरफूड की तरह काम करता है, जो कई तरह के पोषक तत्वों और औषधीय गुणों से भरपूर होता है। यह खासकर पेक पाचन, डायबिटीज, वजन कंट्रोल करने और स्किन के लिए फायदेमंद होता है।

लेकिन, अगर आप पहली बार इसका सेवन करने जा रहे हैं तो डॉक्टर या एक्सपर्ट से कंसल्ट कर लें।

चाय, बेरीज, डार्क चॉकलेट और सेब से बढ़ाएं अपनी उम्र

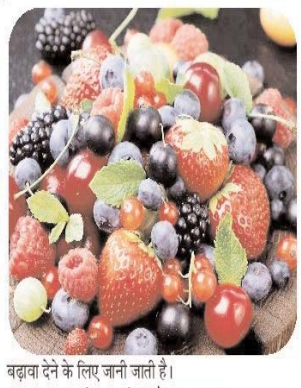

चाय, बेरी, डार्क चॉकलेट और सेब जैसे फ्लेवोनॉयड से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने से आपको गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को कम करके लंबे समय तक जीने में मदद मिल सकती है। नेचर फूड में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार, फ्लेवोनॉयड युक्त खाद्य पदार्थों की एक विविध श्रेणी का सेवन करने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर और तंत्रिका संबंधी बीमारियों के विकास का जोखिम कम हो सकता है।

इस अध्ययन का नेतृत्व क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी पर्थ (ईसीयू), तथा मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ वियना और यूनिवर्सिटिट विएन के शोधकर्ताओं की एक टीम ने किया।

निष्कर्षों से पता चलता है कि आपके आहार में फ्लेवोनोइड्स की विविधता बढ़ाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग (सीवीडी), कैंसर और तंत्रिका संबंधी रोग जैसी स्वास्थ्य स्थितियों के विकास को रोकने में मदद मिल सकती है।

● अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष

मृत्यु दर में कमी: लगभग दो कप चाय के बराबर 500 मिलीग्राम फ्लेवोनॉयड का दैनिक सेवन सभी कारणों से होने वाली मृत्यु दर के 16% कम जोखिम से जुड़ा था।

● हृदय स्वास्थ्य: फ्लेवोनॉयड के सेवन से हृदय रोग, टाइप 2 मधुमेह और श्वसन रोग का जोखिम 10% कम हो गया।

● विविधता मायने रखती है: एक ही स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय, विभिन्न प्रकार के फ्लेवोनॉयड युक्त खाद्य पदार्थ खाने से स्वास्थ्य लाभ अधिक हो सकते हैं।

● फ्लेवोनोइड्स से भरपूर खाद्य पदार्थ

● चाय: विशेष रूप से काली चाय स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती है।

● जामुन: ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और अन्य जामुन फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं।

● डार्क चॉकलेट: डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोइड्स होते हैं, जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

● सेब: सेब फ्लेवोनोइड्स और फाइबर का एक अच्छा स्रोत है।

अन्य खाद्य पदार्थ: अन्य फ्लेवोनोइड युक्त खाद्य पदार्थों में खट्टे फल, अंगूर और रेड वाइन शामिल हैं।

अपने आहार में फ्लेवोनोइड युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करना

फ्लेवोनोइड्स के लाभों को प्राप्त करने के लिए, अपने आहार में इन खाद्य पदार्थों की विविधता को शामिल करने का लक्ष्य रखें। अधिक चाय पीना और अधिक जामुन और सेब खाना जैसे सरल आहार परिवर्तन आपके फ्लेवोनोइड सेवन को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं और संभावित रूप से लंबे समय में आपके स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

बिजली विभाग के कर्मचारियों ने चोपना थाना प्रभारी को सौंपा आवेदन

बिजली विभाग के कर्मचारी से मारपीट करने वाले दबंगों पर उचित दंडात्मक कार्रवाई की मांग की

बैतूल

घोड़ाडोंगरी विकासखंड के अंतर्गत आने वाले चोपना सर्विस स्टेशन में पदस्थ बिजली विभाग के ऑपरेटर सतीश कुमार बरडे के साथ मारपीट, जातिसूचक गालियां और जान से मारने की धमकी देने की गंभीर घटना सामने आई है।

यह घटना 3 जून की शाम उस समय हुई जब क्षेत्र में तेज बारिश के कारण 11 केवी चोपन फीडर में फॉल्ट आ गया था और उसे ठीक करने का कार्य चल रहा था। इस मामले में बिजली विभाग के समस्त कर्मचारियों ने चोपन थाना प्रभारी को एक लिखित आवेदन सौंपा है और आरोपियों सुव्रत विश्वास पिता तपन विश्वास सहित अन्य के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बिजली विभाग के अनुसार 3 जून को शाम के समय आई तेज बारिश के चलते 11 केवी चोपन फीडर में तकनीकी खराबी आ गई थी। इस फॉल्ट को ठीक करने के लिए आउटसोर्स लाइनमैन सुभाष चंद्र हलदार द्वारा विधिवत परमिट लेकर कार्य किया जा रहा था। उसी समय चोपना निवासी सुव्रत विश्वास पिता तपन विश्वास और उनके कुछ साथी मौके पर पहुंच गए और सर्विस स्टेशन में कार्यरत ऑपरेटर सतीश कुमार बरडे पर बिना कार्य पूरा हुए लाइन चालू करने का दबाव बनाने लगे। सतीश कुमार बरडे द्वारा जब तकनीकी नियमों का पालन करते हुए मना किया गया, तो सुव्रत विश्वास ने न सिर्फ उन्हें अपशब्द कहे बल्कि लात-घूंसे से मारपीट भी की। इतना ही नहीं ऑपरेटर के साथ जातिसूचक गालियां भी दी गईं और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस हमले के बाद से पूरे बिजली विभाग में रोष है और कर्मचारी भय के माहौल में कार्य कर रहे हैं।

कर्मचारियों का विरोध, कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

बिजली विभाग के कर्मचारियों ने इस घटना को लेकर सामूहिक रूप से थाना चोपन में आवेदन सौंपा है। आवेदन में उन्होंने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की मारपीट, धमकी और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने की धाराओं के तहत कठोर कार्रवाई की मांग की है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे सभी मिलकर धरना-प्रदर्शन करेंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पटेल आज हरदा जिले का दौरा करेंगे

हरदा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल 7 जून शनिवार को सुबह जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम मानियमउ स्थित माचक नदी के उद्गम स्थल पर पूजन करेंगे। इसके अलावा मंत्री पटेल टिमरनी में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में भी मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री पटेल 6 जून की रात्रि में हरदा आकर सर्किट हाउस हरदा में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन शनिवार 7 जून को सुबह 8 बजे हरदा से रवाना होकर सुबह 10 बजे मानियमउ में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत माचक नदी के उद्गम स्थल पर पूजन करेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे टिमरनी में वन विभाग के नीलामी हॉल में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दोपहर 2 बजे पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री पटेल टिमरनी से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

ब्रीफ

केन्द्रीय मंत्री उईके ने अजनाल नदी के तट पर पौधरोपण किया

हरदा। भारत सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने गुरूवार शाम को नगर पालिका परिषद हरदा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण दिवस के अवसर पर अजनाल नदी के तट पर पौधरोपण किया। इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष भारती कमेडिया, उपाध्यक्ष नगर पालिका हरदा अंशुल गोयल, सभी पार्षद गण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटीदार सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों व 5 स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भी आम, आंवला, नीम, बादाम, जामुन के पौधारोपण किया।

उन्नत नस्ल दुधारू गाय हेतु पुरस्कार योजना के तहत पुरस्कार वितरण आज

हरदा। पशुपालन विभाग की भारतीय उन्नत नस्ल दुधारू गाय हेतु पुरस्कार योजना वर्ष 2025-26 के तहत जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम 7 जून को आयोजित किया जाएगा है। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एस.के. त्रिपाठी ने बताया कि यह कार्यक्रम 7 जून को दोपहर 3 बजे से कृषि उपज मण्डी हरदा परिसर स्थित कृषक विश्राम गृह में आयोजित किया गया है। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि गत माह 2 से 8 अप्रैल तक दुग्ध दोहन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसके संबंध में यह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 में प्रवेश के लिये 29 जुलाई तक करें आवेदन

हरदा। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चारूवा की कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिये निःशुल्क पंजीयन प्रारंभ हो चुके है। प्राचार्य पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चारूवा ने बताया कि वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली इस प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिये ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को 29 जुलाई है। उन्होने बताया कि इस परीक्षा में शामिल होने के लिये ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये है। आवेदक विद्यार्थी की जन्म तिथि 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच होना चाहिए। आवेदन हरदा जिले का मूल निवासी होना चाहिए तथा हरदा जिले के किसी शासकीय या अर्द्धशासकीय अथवा मान्यता प्राप्त विद्यालय में सत्र 2025 में कक्षा 5 वीं में उत्तीर्ण किया जाना अनिवार्य है।

जुलाई माह से नए भवन में स्कूल संचालन प्रारंभ कराने के निर्देश दिये

कलेक्टर ने अस्पताल, सीएम राइज स्कूल व तहसील का किया निरीक्षण

हरदा,एजेंसी। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को हंडिया का दौरा कर तहसील कार्यालय, उचित मूल्य की दुकान, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व हंडिया बैराज के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान शिव करूणा धाम की गौशाला और जैविक खेती भी देखी।

कलेक्टर जैन ने इस दौरान सीएम राइज स्कूल अबगांवकला के निर्माण स्थल का भी दौरा किया और इस माह के अंत तक शेष कार्य पूर्ण कर जुलाई माह से नये भवन में स्कूल संचालन प्रारम्भ कराने के निर्देश दिये।

अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर व्यवस्थाएं देखीं

कलेक्टर जैन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान वहां उपलब्ध सुविधाओं के बारे में मरीजों से पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर व्यवस्थाएं देखीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि समय-समय पर हंडिया अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग नियमित रूप से करें। तहसील कार्यालय हंडिया के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर जैन ने तहसीलदार उइके को निर्देश दिये कि पुराने राजस्व रिकार्ड को कलेक्ट्रेट स्थित जिला रिकार्ड रूम भिजवाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी राजस्व प्रकरण ऑफ लाइन नहीं लिया जाए, सभी आवेदन आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त करें। उन्होंने तहसील कार्यालय परिसर स्थित आधार पंजीयन केन्द्र एवं लोक सेवा केन्द्र का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर जैन ने हंडिया में उचित मूल्य की दुकान के निरीक्षण के दौरान तुलाई मशीन का परीक्षण किया और खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मृत हो चुके हितग्राहियों के नाम पात्रता सूची से हटाये जायें।

नयापुरा में जैविक खेती देखी

कलेक्टर जैन ने ग्राम नयापुरा में जैविक खेती करने वाले किसान जयनारायण राय के खेत में जाकर जैविक कीटनाशक व जैविक खाद तैयार करने की प्रक्रिया देखी। कलेक्टर जैन ने वहां उपस्थित अन्य किसानों को भी उनके खेतों में कम से कम एक-एक एकड़ खेत में जैविक खेती करने के लिये प्रेरित किया और किसान जयनारायण से कहा कि गांव के अन्य किसानों को जैविक खेती के संबंध में मार्गदर्शन देते रहें। इस दौरान तहसीलदार वीरेन्द्र उइके और आशीष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिये 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

हरदा। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए 18 वर्ष तक के बालक-बालिका 31 जुलाई तक राष्ट्रीय पुरस्कार के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। इस पुरस्कार से संबंधित अधिक जानकारी राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल से प्राप्त की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार प्रतिवर्ष बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रोद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिये दिया जाता है। इस पुरस्कार के लिए 31 जुलाई 2025 की स्थिति में 5 वर्ष से अधिक तथा 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी बच्चा जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है, पुरस्कार के लिये पात्र है।

डीएसवायडब्ल्यू ने जीता हैंडबॉल प्रतियोगिता का खिताब

हरदा। जिला खेल और युवा कल्याण विभाग हरदा के तत्वाधान में संचालित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर अंतर्गत हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इसके डीएसवाय डब्ल्यू हैंडबॉल क्लब हरदा और जिला हैंडबॉल संघ हरदा के बीच मुकाबला खेला गया। यह मैच डीएसवायडब्ल्यू हैंडबॉल क्लब ने 27-22 के स्कोर से जीत लिया। यह जानकारी जिला समन्वयक सलमा खान ने दी। उन्होंने बताया कि समर कैंप के दौरान प्रशिक्षक द्वारा 1 माह तक सिखाए विभिन्न कौशल, फास्ट, फॉरवर्ड, बाल पासिंग, नेट में गोल करना शॉट प्वाइंट जैसे कौशल के निरीक्षण करने हेतु शिविर के अंतिम में प्रतियोगिता आयोजित करते हैं। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी हरदा नगर मण्डल अध्यक्ष नितेश बादर, महामंत्री सौरभ तिवारी, महामंत्री पुरुषोत्तम झिंझोरे द्वारा खिलाड़ियों से परिचय किया। नगर मंडल अध्यक्ष बादर ने कहा कि हम प्रयास करेंगे इस बार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हरदा में आयोजित हो। उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने हरदा जिले का नाम गौरांवित करने हेतु शुभकामनाएं दी। आपको यहां बता दें कि वर्ष 2024 में हरदा में राज्यस्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में हरदा जिला विजेता रहा था।

केएफ रुस्तमजी पुरस्कार के अंतर्गत बैतूल जिले के उप निरीक्षक को किया गया सम्मानित

सारनी। बैतूल पुलिस मुख्यालय, मध्य प्रदेश, भोपाल द्वारा वर्ष 2021-2022 के के. एफ. रुस्तमजी पुरस्कार के अंतर्गत उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उप निरीक्षक मनोज उइके (वर्तमान पदस्थापनाः थाना प्रभारी, झल्लार, जिला बैतूल) को विशिष्ट श्रेणी में पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

पुरस्कार हेतु चयन उन्हें उनकी पूर्व पदस्थापना थाना रहटगांव एवं सिराली जिला हरदा में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021-22 के दौरान हरदा जिले में थाना रहटगांव एवं थाना सिराली में पदस्थ रहते हुए उप निरीक्षक मनोज उइके द्वारा लगभग 72 प्रकरणों में लापता नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब कर सुरक्षित रूप से उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। उनकी इस कर्तव्यपरायणता, संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्यवाही के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा उन्हें के. एफ. रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित कर 50,000 रुपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन मूंग नहीं खरीदी तो होगा आंदोलन

बैतूल। भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम से तहसीलदार को मूंग गिरदावरी और पंजीयन कराकर मूंग खरीदी को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस संबंध में संघ के अध्यक्ष संतोष पाल ने बताया कि वर्तमान में मूंग खरीदी का कार्य सरकार त्वरित करे परन्तु अभी तक गिरदावरी और पंजीयन का काम चालू नहीं हुआ है। शासन की मंशा मूंग न खरीदने की प्रतीत हो रही है। ज्ञापन में चेतावनी की गई है कि मूंग खरीदने और पंजीयन की व्यवस्था नहीं बनाई तो संघ सडकों पर उतर कर आंदोलन करेगा। इस अवसर संघ के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

जनजातीय सम्मेलन के लिए कंट्रोल रूम शुरू

रीवा। शहडोल जिले के ब्यौहारी में 9 जून को कोल जनजातीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में रीवा और मऊगंज जिले के कोल जनजातीय समुदाय के व्यक्ति बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इनके सहयोग और व्यवस्थाओं में समन्वय के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय कलेक्ट्रेट में बनाया गया है। इस संबंध में जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम 8 से 9 जून तक कार्य करेगा। कंट्रोल रूम में सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक अधीक्षक महेन्द्र मिश्रा, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक अधीक्षक राजकुमार चौधरी तथा रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक अधीक्षक भैयालाल साहनी को दल प्रभारी के रूप में तैनात किया गया है। इन्हें सहयोग देने के लिए तीन.तीन कर्मचारी तैनात रहेंगे।

ब्रीफ

मप्र के 26 जिलों में स्थापित होंगी मीना समाज की गोत्र वाटिकाएं

नर्मदापुरम्। मीणा समाज में 5248 गोत्र, हर गोत्र का एक कुलवृक्ष, अब 2000 गांवों में इन वृक्षों की वाटिकाएं बनेंगी। प्रकृति के साथ परंपरा से जुड़ेगी नई पीढ़ी इन्हीं वाटिकाओं से पता चलेगा, गांव में किस गोत्र के ज्यादा लोग हैं। 5 जून पर्यावरण दिवस से इसकी शुरूआत कर दी गई है। पेड़ सिर्फ छांव या ऑक्सीजन देने वाले ही नहीं, पीढ़ियों की पहचान, आस्था और संस्कृति के प्रतीक भी हो सकते हैं। इसी सोच को आधार बनाकर मीणा समाज ने पर्यावरण संरक्षण को अपनी पारंपरिक विरासत से जोड़ने की एक नई और सार्थक पहल की है। विश्व पर्यावरण दिवस से मध्य प्रदेश के 26 जिलों में गोत्र वाटिका योजना की शुरूआत हो रही है। मीणा शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राम घुणावत बताते हैं कि समाज में कुल 5248 गोत्र, 24 खाप, 12 पाल और 32 तड़ मौजूद हैं। प्रत्येक गोत्र का एक विशिष्ट वंशवृक्ष निर्धारित है, जो सदियों से उस गोत्र की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक रहा है। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष श्याम मीणा के अनुसार, गांव की सीमा पर स्थापित की जा रही यह गोत्र वाटिका उस गांव की एक तरह से संस्कृतिक पहचान पट्टिका बन जाएगी।

सिंधी कालोनी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 8 जून

नर्मदापुरम्। संत सांई चंदीराम साहब के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर संत सांई बल्लभराम के सानिध्य में एवं मार्गदर्शन में निःशुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन 8 जून रविवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे संत मेहरदास चेरिटेबिल हास्पिटल, सिंधी कालोनी ग्वालटोली में किया जा रहा है। शिविर में डॉ विशाल गुप्ता, नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ विनय एल गंगवानी और चाइल्ड स्पेशिलिस्ट डॉ कमल केवलरामानी आदि अपनी सेवाएं देंगे। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में अशोक वाधवानी 8871133848, दिनेश मूलचंदानी 9340622955, सुनील बड़ानी 9406958247, सुरेश मूलचंदानी 9926363330 पर संपर्क कर सकते हैं।

मां नर्मदा की महाआरती संपन्न हुई

नर्मदापुरम्। नर्मदा महाआरती के संयोजक प्रशांत मुन्नू दुबे ने बताया कि पिछले 16 वर्ष पूर्व गंगादशहरा को ही सेठानी घाट पर माँ नर्मदा जी की महाआरती का आयोजन प्रारम्भ हुआ था तभी से लगातार माँ नर्मदा जी की महाआरती के आयोजन ने अब भव्य रूप ले लिया है।

आसमान में छाए रहे बादल

नर्मदापुरम्। सुबह तीखी धूप निकलने के बाद शाम होते ही आसमान में बादल छाए रहे। धीरे-धीरे काले घने बादल आसमान में उमड़ने लगे थे। जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। मौसम विभाग के अनुसार 6 जून को अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री दर्ज किया गया है वहीं न्यूनतम तापमान 23.9 डिग्री रहा। इसी तरह पचमढ़ी का अधिकतम तापमान 33.8 और न्यूनतम 16.2 डिग्री रहा।

सांसद कार्यालय का हुआ उद्घाटन, मंत्री-नेता हुए शामिल

पीएम ने वैश्विक स्तर पर बढ़ाई देश की पहचान : दर्शन सिंह

नर्मदापुरम्

नर्मदापुरम में जनता कार्यालय शुभारंभ क्षेत्रीय लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने किया। कार्यक्रम में आयोजित कार्यक्रम में शुक्रवार को केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, मंत्री मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों की बड़ी भागीदारी रही। स्वागत उद्बोधन में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदापुरम विधायक सीतासरन शर्मा ने विगत 1 वर्ष में सांसद द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए प्रहलाद पटेल ने कहा कि इस जनता कार्यालय का शुभारंभ जनता के लिए किया गया है जिसका लाभ जनता को मिलेगा। यह कार्यालय जनता के लिए सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र होगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके ने कहा कि सांसद दर्शन सिंह चौधरी का स्वभाव बहुत ही सहज एवं सरल है। उनसे मिलने में किसी व्यक्ति को कोई असहजता नहीं होती। सांसद सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल में गरीब कल्याण, कृषि सुधार, महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार, राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ वैश्विक स्तर पर देश की पहचान बनाई है। चौधरी ने कहा कि इन 11 सालों में सिर्फ सत्ता नहीं बदली बल्कि देश के विकास की परिभाषा और दिशा दोनों ही बदल गईं।

नर्मदापुरम्। सांसद दर्शन सिंह चौधरी के कार्यालय के उद्घाटन की शुभकामनाएं देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक डॉ सीताशरणशर्मा।

जनता कार्यालय की शुभारंभ के बारे में चर्चा करते हुए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान एवं सुविधाओं के साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और उसके क्रियान्वयन जनता कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। यह कार्यालय गरीब, मजदूर, किसान, महिला और कमजोर वर्गों के लिए एक मजबूत आधार होगा।

1 साल बेमिसाल पत्रक किया विमोचन

लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी के 1 वर्ष पूर्ण होने पर जनता कार्यालय के शुभारंभ के अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी के द्वारा 1 वर्ष में किए गए कार्यों पर जोर दिया गया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विधायक सीतासरन शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह सहित लोकसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों

नर्मदापुरम्। सांसद दर्शन सिंह चौधरी का कार्यालय का शुभारंभ करते हुए ग्रामीण एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जोशी, सीमा सिंह, प्रदेश कार्यालय मंत्री राघवेंद्र शर्मा, नर्मदापुरम भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक सहित संगठन के पदाधिकारी एवं आम लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

सिंदूर का पौधा भेंट किया

सांसद दर्शन सिंह चौधरी के जनता कार्यालय शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। सांसद के जनता कार्यालय के शुभारंभ पर भाजपा पदाधिकारी ने उन्हें सिंदूर का पौधा भेंट किया। पूर्व नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल भाजयुमो पूर्व जिलाध्यक्ष कुलदीप रावत, भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक महालहा, भाजपा मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, भाजपा नगरमंत्री मनीष परदेशी, सुमित गौर, सुंदरम अग्रवाल, निहाल राजपूत ने शौर्य का प्रतीक सिंदूर का पौधा भेंट किया।

रुद्राक्ष का पौधा रोपा

सांसद के निवास स्थान जनता कार्यालय परिसर में भारत विकास परिषद एवं लाइंस क्लब के तत्वाधान में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, आचार्य सोमेश परसाई की उपस्थिति में लायंस क्लब के जिला सीईओ डी एस डांगी सुभाष बरेले, नलिन पटेल, पवन पटेल, अध्यक्ष भारत विकास परिषद वंदना शर्मा, दुर्गा प्रसाद यादव अन्य साथी उपस्थित रहे।

प्रतिभाओं का सम्मान : विवेकानंद युवा मंडल द्वारा सम्मान समारोह सफलतापूर्वक संपन्न

नर्मदापुरम्। विवेकानंद युवा मंडल, नर्मदापुरम द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन गुरुवार, 5 जून 2025 को हैप्पी मैरिज गार्डन, कोठी बाजार में किया गया। यह कार्यक्रम उन मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में आयोजित किया गया, जिन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का परिचय दिया। इस गौरवशाली अवसर पर न केवल छात्रों का सम्मान किया गया, बल्कि उन स्कूल संचालकों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्य अतिथिगण पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला रहीं। कार्यक्रम में शहर के सभी शासकीय एवं अशासकीय सीबीएसई स्कूलों के संचालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अजय श्रीवास्तव, लोकेश तिवारी, अर्चना पुरोहित, डॉ. अतुल सेठा, विक्रम रघुवंशी, केशव उर्मिल सहित अनेक गणमान्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवेकानंद युवा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न हर्णे ने की। कार्यक्रम में कार्यकर्ता देवी सिंह राजपूत, सूरत सिंह राजपूत, अजय शर्मा, चमन पूरी गोस्वामी, भगवान पटेल, रिजवान हैदर, पुरुषोत्तम दायमा, कृतेश पिपर्दे, नेमीचंद विश्वकर्मा, केशव उर्मिल, हर्ष माछीवाल, चेतन सोनवने, धनराज मालवीय, विजय सेठ, गणेश यादव, चंद्रभान पाल, बंटी यादव आदि उपस्थित थे।

प्रतिभा का उत्सव, भविष्य की तैयारी: 800 से अधिक विद्यार्थियों का हुआ भव्य सम्मान

नर्मदापुरम। कौशल श्री विकास समिति एवं नव अंकुर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 में विभिन्न विद्यालयों से चयनित 800 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया।

अजय सैनी एवं सतीश बिल्लौरे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का आयोजन शासकीय नर्मदा महाविद्यालय ऑडिटोरियम में भव्य रूप से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रख्यात आध्यात्मिक चिंतक आचार्य सोमेश परसाई ने अपने प्रेरणादायी संबोधन दिया।

कार्यक्रम में , विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा तथा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा, समाजसेवी डॉ अतुल सेठा, विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मार्गदर्शन के लिए एलएनसीटी ग्रुप से पंकज जैन सागर ग्रुप से राहुल आर्य ऊर्जा ग्रुप से डॉ चेतन रैकवार मौजूद रहे।

ईद आज, ईदगाह पर होगी मुख्य नमाज अता, बारिश होने पर बदलेगी जगह

नर्मदापुरम्। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ईद उल जुहा का त्यौहार 7 जून को मनाया जाएगा। ईद की नमाज तय वक्त के मुताबिक होगी।

फैजान उल हक ने बताया कि ईदगाह पर सुबह 8 बजे नमाज अता होगी। इसके बाद 8.15 बजे आयशा मस्जिद, सानी जामा मस्जिद बालागंज, काशमी मस्जिद टेलीफोन एक्सचेंज, 8.30 बजे मालाखेड़ी मस्जिद, 8.45 बजे हमीदिया मस्जिद सब्जी मंडी, 9 बजे सेठ साहब वाली मस्जिद बड़ी बजरिया में अता की जाएगी। बारिश होने पर स्थान बदला जा सकता है। जिसमें जामा मस्जिद जुमेराती में सुबह 8 बजे, आयशा मस्जिद 8.15 बजे, मोहम्मदी मस्जिद ईदगाह , सानी जामा मस्जिद बालागंज, काशमी मस्जिद टेलीफोन एक्सचेंज, छोटी बजरिया मस्जिद , 8.30 बजे मालाखेड़ी मस्जिद, 8.45 हमीदिया मस्जिद सब्जी मंडी, मक्का मस्जिद एसपीएम 9 बजे, सेठ साहब मस्जिद में अता की जाएगी।

पत्रकारिता की सेमेस्टर परीक्षाओं हेतु परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा के दौरान प्रशासनिक और कानून व्यवस्था बनाए रखने उड़नदस्ता प्रभारी नियुक्त

नर्मदापुरम्

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित की जा रही पत्रकारिता की सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए प्रशासनिक और कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। ये परीक्षाएं 14 जून 2025 तक जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में प्रथम पाली सुबह 9 से 12 बजे, द्वितीय पाली अपराह्न 2 से 5 बजे तक आयोजित की जाएंगी। समस्त परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा के दौरान प्रशासनिक और कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अन्य संपूर्ण व्यवस्थाओं हेतु परीक्षा केंद्र शा. एमजीएम पीजी कॉलेज इटारसी के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी, पीएम श्री शा. गर्ल्स हा.से. स्कूल रामनगर कॉलोनी सिवनी मालवा के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनीमालवा, शा. गृह विज्ञान पीजी कॉलेज नर्मदापुरम एवं शा.पीजी कॉलेज सदर बाजार नर्मदापुरम के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नर्मदापुरम तथा एसबीएम शा. पीजी कॉलेज होशंगाबाद रोड पिपरिया एवं शा. गर्ल्स कॉलेज सांडिया रोड पिपरिया के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पिपरिया को उड़नदस्ता दल प्रभारी नियुक्त किया है।

मनोरंजन

रीवा, 7 जून 2025

05 न्याय की गुहार

प्रियंका चोपड़ा ने 'हेड्स ऑफ स्टेट' को लेकर किया पोस्ट

बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्म में अपनी खास पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ी ने अपनी फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' का ट्रेलर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने एक खास कैप्शन भी लिखा है, जिसे पढ़ने के बाद प्रशंसक बेहद खुश हो गए हैं। प्रियंका ने अपनी फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' की रिलीज डेट को याद कराते हुए एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म का ट्रेलर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'शांत रहें और आगे बढ़ते रहें। प्रियंका की इस पोस्ट पर कई यूजर्स ने कमेंट कर अपनी राय शेयर की है। हेड्स ऑफ स्टेट' एक मजेदार और धमाकेदार एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जो 2 जुलाई 2025 को प्राइम वीडियो पर दुनियाभर में रिलीज होगी। 'हेड्स ऑफ स्टेट' में अमेरिकी राष्ट्रपति विल डेरिंगर की भूमिका में जॉन सीना और यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क की भूमिका में इदरीस एल्बा नजर आएंगे। इस रोमांचक सफर में उनकी मदद करती हैं MI6 की तेज-तर्रार एजेंट नोएल बिसेट के किरदार में प्रियंका चोपड़ा जोनस।

अबू धाबी में छुट्टियां मनाते स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं

सामंथा रूथ प्रभु

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी खास पहचान बना चुकीं सामांथा रुथ प्रभु इन दिनों वेकेशन के लिए अबू धाबी में हैं। एक्ट्रेस ने वहां से अपनी कई शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन लाजवाब तस्वीरों के साथ सामंथा ने एक नोट भी लिखा है।

सामंथा का लुक

पहले लुक में सामंथा ने फ्लोरल मैक्सी ड्रेस पहनी, जिसमें पीछे की तरफ खूबसूरत कट है। उन्होंने इसे स्ट्रॉ हैट, सनग्लासेस और गोल्ड हूप इयररिंग्स के साथ पूरा किया। उनका मेकअप हल्का और लुक शानदार है। दूसरे लुक में उन्होंने हल्के हरे रंग का को-ऑर्ड सेट चुना, जिसमें फ्लोरल डिज़ाइन और लेस का काम है। खुले बाल और स्टाइलिश सनग्लासेस के साथ उनका यह लुक स्टाइलिश और आरामदायक है।

सामंथा का पोस्ट

सामंथा रुथ प्रभु ने अपने प्रशंसकों को अबू धाबी में अपनी छुट्टियों की स्टाइलिश झलक दिखाकर खुश कर दिया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, यहां सब कुछ नया लगता है। कोई शोर नहीं, कोई भागदौड़ नहीं... बस रहने के लिए जगह है। जादू के लिए धन्यवाद। साउथ एक्टर नागा चैतन्य से तलाक के बाद सामंथा रुथ प्रभु काफी वक्त तक अकेली हैं। लेकिन हाल ही में उनका नाम और साउथ निर्देशक राज निदिमोरू से जुड़ने लगा है। हालांकि, दोनों ने अभ तक अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है।

ठग लाइफ

कलाकार- कमल हासन , सिलम्बरासन , तृषा कृष्णन , अभिरामी , ऐश्वर्या लक्ष्मी , अशोक सेल्वन , जोजू जॉर्ज , नासर , अली फजल , संजना कृष्णमूर्ति और महेश मांजरेकर

लेखक- कमल हासन और मणि रत्नम

निर्देशक- मणि रत्नम

निर्माता- कमल हासन , मणि रत्नम , आर महेंद्रन और शिवा अनंत

कमल हासन, उम्र 70 साल। मणि रत्नम, उम्र 69 साल। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शुमार डिज्नी के नजरिये से देखें तो एक ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाने के लिए दोनों की उम्र बिल्कुल ठीक है। कमल हासन को यहां तृषा कृष्णन के साथ 'मैडम, आई एम योर ओनली एडम!' करते देख तमाम छातियों पर सांप भले लोटे हों, पर उनका आभा मंडल अब भी पूरी तरह दुरुस्त है। आवाज भी कहीं नहीं कमजोर सुनाई देती है। आपने शायद देखा भी हो, अभी कुछ दिन पहले फिल्म 'मालिक' की पहली झलक रिलीज हुई है। यहां एक साइड प्रोफाइल राजकुमार राव का ठीक वैसा ही है, जैसा फिल्म 'एनिमल' में रणबीर कपूर का रहा है। हो सकता है वह गरीब फिल्म निर्माताओं के रणबीर कपूर ही बनना चाह रहे हों, लेकिन ये मणि रत्नम जैसे निर्देशक को क्या हुआ? फिल्म 'ठग लाइफ' के एक सीन में कमल हासन को छोटी सी कुल्हाड़ी लेकर लड़ते हुए जैसे ही दिखाया जाता है, दर्शकों के दिमाग में अपने आप बजने लगता है, 'के अर्जन वेल्ली ए...'! मणि रत्नम की फिल्म में ऐसे दोहराव वाले सीन, तौबा है तौबा! 'ठग लाइफ' तमिल सिनेमा के दो दिग्गजों का मिलन है। 'नायकन' के बाद मणि रत्नम और कमल हासन फिर साथ आए हैं। चेन्नई में मिलने पर कमल हासन ने बताया था कि जवानी के दिनों में दोनों ने स्कूटरों की गद्दियों पर पसरे हुए अच्छे सिनेमा के तमाम सपने एक साथ देखे थे और ये उनमें से एक है! फिल्म देखकर मन में पहला सवाल यही आता है, क्या वाकई? फिल्म 'ठग लाइफ' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रही है। माना जा रहा था कि ये हिंदी फिल्म 'हाउसफुल 5' को कड़ी टक्कर देगी।

हाउसफुल 5

कलाकार- अक्षय कुमार , अभिषेक ए बच्चन , रितेश देशमुख , जैकलीन फर्नांडीस , सोनम बाजवा , नरगिस फकरी , संजय दत्त , जैकी श्रॉफ , नाना पाटेकर , चित्रांगदा सिंह , फरदीन खान , चंकी पांडे , जॉनी लीवर , श्रेयस तलपदे , डीनो मोरिया , रंजीत , सौंदर्या शर्मा , निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर

लेखक- साजिद नाडियाडवाला

निर्देशक- तरुण मनसुखानी

निर्माता- साजिद नाडियाडवाला

15 साल पहले शुरु हुई निर्माता साजिद नाडियाडवाला की फिल्म फ्रेंचाइजी 'हाउसफुल' अब अपनी पांचवीं कड़ी तक आ पहुंची है। पहली फिल्म की कहानी भी उनकी ही लिखी हुई थी और अब फ्रेंचाइजी की पांचवी फिल्म 'हाउसफुल 5' भी उन्हीं की सोची हुई कहानी पर आधारित है। लंबा अरसा पहले साजिद ने इस सीरीज की पांचवीं फिल्म को एक अनोखे प्रयोग के रूप में विकसित करने का महत्वाकांक्षी ख्वाब बुना था, तब वह एक मल्टीप्लेक्स के अलग अलग सिनेमाघरों में इसे अलग अलग क्लाइमेक्स के साथ रिलीज करना चाहते थे। साजिद नाडियाडवाला की गिनती हिंदी सिनेमा के धन

कुबेरों में होती है, और, अपने इस ख्वाब को हकीकत में उतारने की कोशिश भी उन्होंने जरूर की ही होगी, लेकिन अंत में ये फिल्म दो क्लाइमेक्स के साथ रिलीज हुई है। तो सिनेमाघरों में शुक्रवार से एक नहीं दो 'हाउसफुल 5' हैं, 'हाउसफुल 5 ए' और 'हाउसफुल 5 बी'। हाउसफुल' फिल्म सीरीज की पिछली चार फिल्मों ने जानकारी के मुताबिक दुनिया भर में करीब 788 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसमें से 296 करोड़ रुपये तो सिर्फ पिछली फिल्म 'हाउसफुल 4' ने कमाए थे। ये अलग बात है कि अब इस बार जो फिल्म 'हाउसफुल 5' रिलीज हो रही है, उसका बजट ही तकरीबन इतना ही है। सीरीज की पहली दो फिल्में साजिद खान ने निर्देशित कीं। तीसरी में राइटर जोड़ी साजिद-फरहाद का नंबर लगा। चौथी फरहाद सामजी ने अकेले निर्देशित की और अब बारी है निर्देशक तरुण मनसुखानी की जो फिल्म 'ड्राइव' के छह साल बाद कोई फिल्म लेकर आ रहे हैं। इतना ही वक्त करीब 'हाउसफुल 5' और 'हाउसफुल 4' के बीच बीत चुका है। फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 2010 में, दूसरी दो साल बाद 2012 में, दूसरी और तीसरी में चार साल का अंतर रहा और ये फिल्म आई 2016 में, चौथी इसके तीन साल बाद 2019 में आई और अब इसके छह साल बाद 'हाउसफुल 5'। कहने को फिल्म में कोई 19 नामचीन सितारे हैं, लेकिन फिल्म के नतीजे का सीधा असर जिस कलाकार पर सबसे ज्यादा होने वाला है, वह हैं अभिनेता अक्षय कुमार। अक्षय कुमार की आखिरी स्पष्ट हिट फिल्म दो साल पहले रिलीज हुई 'ओएमजी 2' रही है। इसके बाद से वह चार बड़ी फ्लॉप फिल्में 'मिशन रानीगंज', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'सरफिरा' और 'खेल खेल में' दे चुके हैं। इस साल रिलीज उनकी दोनों फिल्में 'स्काई फोर्स' और 'केसरी 2' को लोग देखने तो आए लेकिन जैसी कामयाबी की उम्मीद इनके निर्माताओं की रही होगी, वैसी कमाई इन दोनों फिल्मों ने नहीं की। अब बारी 'हाउसफुल 5' की है। अगर आपने नेटफ्लिक्स पर मौजूद फिल्म 'मर्डर मिस्ट्री' देखी है तो आपको फिल्म 'हाउसफुल 5' की कहानी का आधार समझ आ जाएगा। एक शानदार पानी के जहाज पर एक मालदार असामी की मौत होती है और उसके तीन वारिस वहां प्रकट हो जाते हैं। अक्षय कुमार की ही हिट फ्रेंचाइजी 'जॉली एलएलबी' के किरदार का नाम जॉली यहां तीन बार प्रकट होता है। ये तीन जॉली बने हैं, खुद अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख। इस तरह से ये स्पष्ट होता है कि फिल्म में मेन हीरो तीन हैं, बाकी जो भी हैं सब साइड हीरो हैं। 'खलनायक' में हीरो और विलेन बन चुके जैकी श्रॉफ और संजय दत्त एक साथ यहां नजर आते हैं पुलिस अफसरों के किरदार में। फिल्म की पहली झलक जिस 'लाल परी' गाने से नजर आई थी, उस पर कॉपीराइट का क्लेम हुआ। टी सीरीज का मामला था, तो इसे जैसे निपटना था, वैस ही निपटा। ये गाना ही इस फिल्म की सबसे बड़ी हाईलाइट है। निर्देशक तरुण मनसुखानी के पास इस फिल्म में लाइट्स, रोल साउंड, रोल कैमरा और एक्शन बोलने के अलावा ज्यादा कुछ खास दिखता नहीं है।

जोकोविच का 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का इंतजार बढ़ा

फ्रेंच ओपन: सिनर और अल्काराज पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचे

पेरिस,एजेंसी। विश्व के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नोवाक जोकोविच को हराकर फ्रेंच ओपन के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। इस तरह जोकोविच का 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का इंतजार बढ़ गया।

सिनर ने तीन घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6 (7-3) से हराया। यह सिनर की जोकोविच के खिलाफ लगातार चौथी जीत है। सिनर का कार्लोस अल्काराज से होगा सामना जोकोविच ने आखिरी बार 2023 में यूएस ओपन का खिताब जीता था जो उनके करियर का 24वां ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद से ही इस सर्बियाई खिलाड़ी का 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने का इंतजार बढ़ता जा रहा है। जोकोविक ने आखिरी बार सिनर के खिलाफ 2023 एटीपी फाइनल्स में जीत दर्ज की थी। पिछले साल सिनर रोलां गैरों के सेमीफाइनल में अल्काराज से हार गए थे।

मुसेटी के हटने से अल्काराज को मिला वॉकओवर...

लोरेंजो मुसेटी को चोट के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा जिससे अल्काराज को वॉकओवर मिला। मुसेटी और अल्काराज के बीच सेमीफाइनल मुकाबला चार सेटों तक चला जिसके बाद मुसेटी ने मैच बीच में छोड़ने का फैसला लिया। इटली के आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ अल्कारेज 4-6, 7-6 (3), 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे। 22 साल के दूसरे वरीय अल्कारेज अपने दूसरे फ्रेंच ओपन और कुल पांचवें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए भिड़ेंगे।

महिला एकल वर्ग के फाइनल में सबालेंका-गॉफ के बीच जंग आज

अमेरिका की कोको गॉफ ने तीन साल पहले अपना पहला ग्रैंडस्लैम फाइनल फ्रेंच ओपन 18 की उम्र में खेला था। अब वह एक बार फिर महिला एकल के फाइनल में हैं जहां उनके सामने दुनिया की नंबर एक आर्यना सबालेंका हैं। महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच आज 12 साल बाद पहली भिड़ंत हैं। मौजूदा नंबर एक सबालेंका ने सेमीफाइनल में पोलैंड की इगा स्वियातेक को 7-6 (1), 4-6, 6-0 तोड़कर फाइनल में प्रवेश किया है, जबकि नंबर दो कोको ने फ्रांस की बोइसन को 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

गिल के पास नई भारतीय टीम में सामूहिक संस्कृति बनाने का मौका है : आकाश चोपड़ा

इंग्लैंड दौरा

- **20 जून से शुरू होने वाले इंग्लैंड के पांच मैचों के टेस्ट दौरे के माध्यम से एक नए युग में कदम रखने के लिए तैयार**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि शुभमन गिल के पास टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में एक मजबूत सामूहिक संस्कृति विकसित करने का अवसर है, जो 20 जून से शुरू होने वाले इंग्लैंड के पांच मैचों के टेस्ट दौरे के माध्यम से एक नए युग में कदम रखने के लिए तैयार है।

गिल के नेतृत्व में, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में भारत का पहला असाइनमेंट होगा। "एक नेतृत्व समूह बनाएं- 4-5 खिलाड़ियों को एक साथ लाएं और एक कोर बनाएं। यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को शामिल करें। भेड़ियों का एक झुंड बनाएं। ये वे लोग हैं जो आज, छह महीने बाद और पांच साल बाद आपके साथ होंगे।"

चोपड़ा ने जियोहॉटस्टार पर कहा, "युवा टीम के साथ, यह महत्वपूर्ण है कि कप्तान समूह के साथ आगे बढ़े। सीनियर और जूनियर की अक्सर अलग-अलग दिनचर्या और मंडलियां होती हैं- लेकिन इस नए रूप वाली टीम के साथ, आपके पास सामूहिक संस्कृति बनाने का मौका है। यह एक ऐसा दुर्लभ अवसर है, जिससे एक बंधन और एक ऐसी कहानी बनाई जा सकती है, जिस पर पूरे देश को गर्व होगा।"

यह पूछे जाने पर कि क्या गिल को विराट कोहली की टेस्ट करियर में मिली सफलता से प्रेरणा लेनी चाहिए, चोपड़ा ने कहा, "आप विराट कोहली की सफलता, रनों के लिए उनकी भूख, उनके नेतृत्व से प्रेरणा ले सकते हैं- लेकिन जरूरी नहीं कि उनकी बल्लेबाजी संख्या से प्रेरणा लें। यह एक बहुत ही व्यक्तिगत पसंद है। इसी तरह, शुभमन को वहीं खेलना चाहिए, जहां वह सबसे अच्छा योगदान दे सकें।"

"बल्लेबाजी की स्थिति किसी की नकल करने के बारे में नहीं है- यह इस बारे में है कि आप टीम में कहां फिट बैठते हैं और इससे टीम को क्या फायदा होता है। कोहली की मानसिकता से सीखें, जरूरत पड़ने पर एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ खेलें। यही लीडर करते हैं- टीम के लिए बलिदान देते हैं। चोपड़ा ने गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम और गौतम गंभीर की अगुवाई वाले सहयोगी स्टाफ पर इंग्लैंड में पड़ने वाले दबाव पर विचार किया। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे गेंदबाजों का चयन करने की जरूरत है जो सामूहिक रूप से 20 विकेट लेने के लिए आश्वस्त हों।

"दबाव होना चाहिए और यह काम का हिस्सा है। जब आप भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं और 1.4 अरब लोगों की उम्मीदों को लेकर चल रहे होते हैं, तो यह अपार प्रेम के साथ आता है – यहां तक कि उन लोगों से भी जिन्होंने आपको कभी नहीं देखा लेकिन फिर भी आपकी सफलता के लिए प्रार्थना करते हैं।

लॉस एंजेलिस में 44 अवैध अप्रवासी गिरफ्तार

लॉस एंजेलिस,एजेंसी। अमेरिका में संघीय अप्रवासन प्राधिकरण ने लॉस एंजेलिस में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया और अवैध अप्रवास के आरोप में 44 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ और पुलिसकर्मियों और सामाजिक संगठनों के लोगों के बीच भिड़ंत हो गई। पुलिसकर्मियों को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

उत्तरी चिली में 6.4 तीव्रता का भूकंप

सेंटियागो,एजेंसी। उत्तरी चिली में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे बुनियादी ढांचे को मामूली नुकसान पहुंचा और 20,000 से अधिक लोगों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। अधिकारियों ने भूकंप के बाद किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:15 बजे आया और इसका केंद्र अटाकामा रेगिस्तान के तट के पास धरती से 76 किलोमीटर नीचे स्थित था। प्रारंभिक खबरों में किसी के हताहत होने की तत्काल पुष्टि नहीं हुई।

टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची टीम इंडिया

लंदन,एजेंसी। भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार को इंग्लैंड पहुंच गई है। दोनों टीमों के बीच 20 जून से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र की शुरूआत करेगी। भारत इस सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना उतरेगी जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। बीसीसीआई ने एक्स पर वीडियो शेयर किया है जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। उनके साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद हैं।

नॉर्वे शतरंज में कार्लसन को खिताब, गुकेश तीसरे स्थान पर रहे

स्टावेंजर,एजेंसी। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज 2025 का खिताब जीतकर अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ ली। यह जीत कार्लसन की अपने घरेलू इवेंट में छठी जीत है। उन्होंने 16 अंकों के साथ समापन किया, जो कारुआना से आधा अंक आगे था, जिन्होंने गुकेश की गलती का फायदा उठाते हुए 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर छलांग लगाई। गुकेश, जिन्होंने मौजूदा विश्व चैंपियन के रूप में एक शानदार वर्ष बिताया है, को 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। गुकेश आखिरी बाधा पर असफल रहे। सफेद मोहरों से खेल रहे कार्लसन को भारत के उभरते सितारे अर्जुन एरिगैसी ने अंतिम क्लासिकल गेम में ड्रॉ पर रोका।

भारतीय कंपाउंड तीरंदाज विश्व कप से बाहर

अंताल्या (तुर्की), एजेंसी। भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों ने शुक्रवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में निराशाजनक प्रदर्शन किया तथा कोई भी खिलाड़ी व्यक्तिगत वर्ग में पदक दौर तक नहीं पहुंच सका।

शंघाई में पिछले चरण में दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक के साथ दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाला भारत यहां अभी तक पदकों का खाता नहीं खोल पाया है।

चौथी वरीयता प्राप्त और पिछले विश्व कप की विजेता मधुरा धामनगांवकर को क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको की पांचवीं वरीयता प्राप्त मारियाना बर्नल ने हराया। मधुरा को महिला व्यक्तिगत वर्ग में 152-159 से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियन अदिति स्वामी भी अंतिम आठ चरण में मैक्सिको की

दूसरी वरीयता प्राप्त एंड्रिया बेसेरा से 147-152 से हारकर बाहर हो गईं।

पुरुष वर्ग में 13वीं वरीयता प्राप्त ऋषभ यादव क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के 28वीं वरीयता प्राप्त निकोलस गिरार्ड से 149-157 से हार गए। यादव ने इससे पहले प्री क्वार्टर फाइनल में अपने सीनियर साथी अभिषेक वर्मा को 157-154 से हराया था।

विश्व चैंपियन ओजस देवताले को पहले ही दौर में अमेरिका के जेम्स लुट्ज़ से 157-161 से हार का सामना करना पड़ा।

इससे पहले गुरुवार को भारत रिकर्व और कंपाउंड दोनों वर्गों की टीम स्पर्धाओं से भी बाहर हो गया था। भारतीय खिलाड़ी अब मिश्रित टीम स्पर्धा में अपना भाग्य आजमाएंगे। इसके अलावा भारत की रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धाओं पर भी उम्मीदें टिकी होंगी।

शुभमन को अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल को अपनी टेस्ट बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तान बनाया गया है। पोंटिंग के अनुसार उसे उसे बल्लेबाजी क्रम में चौथे नंबर पर उतरना चाहिए। विराट कोहली के संन्यास के बाद चौथे नंबर पर शुभमन के उतरने से लाभ होगा। पोंटिंग ने कहा कि कप्तानी के

शुरूआती दौर में शुभमन इस क्रम पर उतर सकते हैं। पोंटिंग ने कहा, 'गिल का सफेद गेंद के प्रारूप में फॉर्म काफी अच्छा पर पर उसे टेस्ट बल्लेबाजी में भी अपवे को साबित करना होगा। साथ ही कहाक कि अगर आप नए कप्तान हैं तो यह आसान नहीं होता। नए कप्तान के लिए अपनी बल्लेबाजी को लेकर सोचना कठिन रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय चयन समिति ने उसे कप्तान बनाकर सही फैसला लिया है। साथ ही कहा कि शुभमन अभी युवा हैं और लंबे समय तक कप्तानी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले सत्र में जब रोहित ने सिडनी टेस्ट नहीं खेलने का फैसला किया तो मेरा ध्यान उन्हें कप्तान बनाने को लेकर गया था पर तब जयप्रीत बुमराह को कप्तानी दे दी गयी थी।

टीम बैठकों में सिर्फ इसी पर चर्चा होती थी कि पुजारा को कैसे आउट किया जाए: रोहित शर्मा

एजेंसी ■ मुंबई

चेतेश्वर पुजारा को कैसे आउट किया जाए? यह एक ऐसा सवाल था जिस पर रोहित शर्मा और मुंबई के उनके साथी जूनियर क्रिकेट के दिनों में अक्सर चर्चा करते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि सौराष्ट्र का यह बल्लेबाज लगातार दो या तीन दिन बल्लेबाजी करके उनकी उम्मीदों पर सकता है। रोहित ने खुलासा किया कि पुजारा का विकेट अक्सर आयु वर्ग के मैचों में उनकी टीम के लिए जीत या हार का अंतर होता था। यह इस दिग्गज बल्लेबाज के शुरुआती लक्षण थे, जिन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत तथा 19 शतक और 35 अर्द्धशतक की मदद से 7,195 रन बनाए।

रोहित ने गुरुवार को यहां पुजारा की पत्नी पूजा की किताब द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ के विमोचन के अवसर पर कहा, मुझे अब भी याद है कि टीम बैठकें सिर्फ इसी पर केंद्रित होती थीं कि उसे कैसे आउट किया जाए और अगर हम उसे आउट नहीं कर पाते हैं तो हम मैच हार सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने मजाक में कहा कि पुजारा के खिलाफ खेलने से उनका चेहरा इतना बदल जाता था कि उनकी मां भी थोड़ी परेशान हो जाती थीं। उन्होंने कहा, मुझे बस इतना याद है कि जब मैं 14 साल का था और मैदान से शाम को जब वापस आता था, तो मेरे चेहरे का रंग बिल्कुल बदल जाता था। रोहित ने कहा, क्योंकि वह पूरे दिन बल्लेबाजी करता था और हमें दो-तीन दिन तक धूप में फील्डिंग करनी पड़ती थी। मुझे अब भी याद है कि मेरी मां ने मुझसे कई बार पूछा था कि जब तुम घर से खेलने जाते

हो, तो तुम अलग दिखते हो और जब तुम एक हफ्ते या 10 दिन बाद घर आते हो, तो तुम अलग दिखते हो। रोहित ने कहा, मैं कहता था, मां मैं क्या करूं। चेतेश्वर पुजारा नाम का एक बल्लेबाज है। वह तीन दिनों से बल्लेबाजी कर रहा है। पुजारा को लेकर हमारी शुरुआती धारणा यही थी। रोहित ने कहा कि करियर की शुरुआत में दोनों घुटनों में एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) की चोट के बावजूद 100 से अधिक टेस्ट खेलने का श्रेय पुजारा को दिया।

उन्होंने कहा, (यह) बहुत बड़ी और बहुत बुरी चोट थी। उसकी दोनों एसीएल चली गई थीं। किसी भी क्रिकेटर, एक खिलाड़ी के लिए यह बहुत मुश्किल होता है जब वह अपनी दोनों एसीएल गंवा देता है। इसके बावजूद वह भारत की तरफ से 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने में सफल रहा। इसका पूरा श्रेय पुजारा को जाता है। इस अवसर पर पुजारा ने 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को अपने करियर की सबसे मुश्किल श्रृंखला बताया। पुजारा ने कहा, मैं एक घटना का जिक्र कर सकता हूं।

कोविड अपडेट

कोविड संक्रमण कमजोर हो रहा, चिंता की बात नहीं

अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. चंद्रकांत लहरिया ने कहा, कोरोनावायरस के कारण होने वाला संक्रमण हर गुजरते साल के साथ कमजोर हो रहा है। यह (अब) मात्र श्वसन संबंधी एक और बीमारी है तथा फ्लू से कम खतरनाक है। यह अब चिंता का विषय नहीं है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि कोरोनावायरस का संक्रमण समय के साथ कमजोर हो रहा है लेकिन इसके मामलों में कभी-कभार वृद्धि होने की आशंका है जिससे चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। विशेषज्ञों ने देश के विभिन्न भागों में बीमारी के बढ़ते मामलों संबंधी चिंता को लेकर कहा कि ऐसा लगता है कि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी और तापमान में अत्यधिक वृद्धि जैसे उन मौसमी कारकों का परिणाम है जिनके कारण हम वातानुकूलित स्थानों पर रहते हैं। उन्होंने सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. चंद्रकांत लहरिया ने पीटीआई-भाषा से कहा, कोरोनावायरस के कारण होने वाला संक्रमण हर गुजरते साल के साथ कमजोर हो रहा है। यह (अब) मात्र श्वसन संबंधी एक और बीमारी है तथा फ्लू से कम खतरनाक है। यह अब चिंता का विषय नहीं है।

हरियाणा स्थित अशोका विश्वविद्यालय के त्रिवेदी स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज में जीव विज्ञान और स्वास्थ्य अनुसंधान के डीन अनुराग अग्रवाल ने कहा, इसके सभी उप स्वरूप एक जैसे हैं, जो अत्यधिक संक्रामक लेकिन कमजोर हैं। जिन लोगों की रोग प्रतिरोधी क्षमता अत्यंत कमजोर है वे गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं लेकिन अधिकतर लोगों, खासकर पहले संक्रमित हो चुके या टीके लगवा चुके लोगों को अधिक खतरा नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दो साल पहले मई 2023 में कोविड-19 को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित किया था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब इस बीमारी को मौसमी, स्थानिक या एक निश्चित क्षेत्र तक सीमित बीमारी के रूप में परिभाषित करते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में छह जून तक संक्रमितों की संख्या 5,300 को पार कर गई और इनमें से करीब 500 लोग पिछले 24 घंटे में संक्रमित हुए। मंत्रालय ने बताया कि 4,700 से अधिक लोग संक्रमित होने के बाद ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय के अनुसार, इस साल जनवरी से कोरोनावायरस के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है और इस दौरान इस संक्रमण से 55 लोगों की मौत हुई है। इनमें से अधिकतर लोग पहले से किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त थे। डब्ल्यूएचओ के पूर्व स्टाफ सदस्य एवं चिकित्सक लहरिया ने कहा, पहले से बीमार लोगों और 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कोरोनावायरस संक्रमण के दौरान वे सभी मानक सावधानियां बरतनी चाहिए जो वे श्वास संबंधी अन्य संक्रमण के समय बरतते हैं। मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि केरल सबसे अधिक प्रभावित हुआ है और वहां।,600 से अधिक मामले सामने आए हैं। इसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और महाराष्ट्र हैं। भारत के अलावा सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड और हांगकांग सहित दक्षिण पूर्व एशिया के कई देशों में कोरोनावायरस संक्रमण के मामले बढ़े हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि चूंकि कोरोनावायरस संक्रमण अब स्थानिक हो गया है और उसके स्वरूप में लगातार बदलाव हो रहा है इसलिए संक्रमण के मामलों की संख्या में उतार-चढ़ाव की संभावना है।

अवॉर्ड

बाघों की संख्या बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले आईबीसीए प्रमुख यादव को क्रिस्टल कॉम्पस अवॉर्ड

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के महानिदेशक एस. पी. यादव को भारत में बंगाल टाइगर की आबादी को विलुप्ति के कगार से बचाने में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रतिष्ठित क्रिस्टल कॉम्पस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार को आमतौर पर भूगोल का ऑस्कर कहा जाता है जिसे 2012 में रूसी भूगोल सोसायटी द्वारा स्थापित किया गया था और यह भूगोल, पारिस्थितिकी तथा प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देता है। यादव को यह पुरस्कार 29 मई को मास्को इंटरनेशनल हाउस ऑफ म्यूजिक में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। भारत सरकार ने 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की थी जब शिकार और मानव-वन्यजीव संघर्ष के चलते बंगाल टाइगर के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था। इस परियोजना की शुरुआत नौ बाघ अभयारण्यों के साथ हुई थी, जो कुल 18,278 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले थे। वर्तमान में यह 58 बाघ अभयारण्यों तक विस्तारित हो चुका है, जो 84,488 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र तक फैला हुआ है। आज भारत में दुनिया की सबसे बड़ी वन्य बाघ आबादी है। अखिल भारतीय बाघ आकलन 2022 के अनुसार, देश में बाघों की न्यूनतम संख्या 3,682 दर्ज की गई है, जो 2018 में 2,967 थी। भारत में बाघों की आबादी सालाना छह प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। रूसी विज्ञान अकादमी के वरिष्ठ वैज्ञानिक व्याचेस्लाव रोज़नोव ने यादव को पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल भारत में बंगाल टाइगर की आबादी को पुनर्स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी बाघ संरक्षण को बढ़ावा देने का कार्य किया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद यादव ने कहा, यह पुरस्कार हमारी सरकार की उपलब्धियों को मान्यता देता है जिसने इस परियोजना का समर्थन किया, उन संस्थानों को सम्मान देता है जिनसे हम सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं और उन हजारों लोगों की मेहनत को सलाम करता है जो इस नेक कार्य में लगे हुए हैं।

विरासत

मेघालय: कैफे में तब्दील 140 साल पुराने थाने में ग्राहकों को परोसे जा रहे लजीज पकवान

मेघालय के सोहरा में 140 साल पुराने एक पुलिस थाने को खूबसूरत कैफे में तब्दील किया गया है। सबसे ज्यादा बारिश वाले इलाकों में शुमार सोहरा में स्थित इस कैफे में अब ग्राहकों को लजीज पकवान परोसे जा रहे हैं। साल 1885 में स्थापित सोहरा पुलिस थाने की इमारत मेघालय की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। ब्रिटिश शासन के दौरान इस इमारत का इस्तेमाल एक कुख्यात हिरासत केंद्र के रूप में किया जाता था। हालांकि, अब इस थाने को सोहरा 1885 नाम के कैफे में तब्दील कर दिया गया है, जो खाने के शौकीन लोगों और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बनकर उभरा है। इस कैफे में इतिहास और आतिथ्य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। ग्राहक कैफे 1885 में डाइनिंग रूम में तब्दील की गई जेलों में अपने पसंदीदा पकवानों का लुत्फ उठा सकते हैं। कैफे से अर्जित मुनाफा पुलिस कल्याण के लिए दान कर दिया जाता है। सोहरा पुलिस थाने को कैफे में बदलने का विचार ईस्ट खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विवेक सईम ने दिया था, जो उस समय क्षेत्र (सोहरा) में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के रूप में तैनात थे। मेघालय पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके इस विचार का पूर्ण समर्थन किया। सईम ने कहा, मैं इतिहास में खास स्थान रखने वाले इस पुलिस थाने के

साथ हमेशा से कुछ अलग करना चाहता था। राज्य में ऐसी बहुत कम इमारतें बची हैं, जो इतिहास में खास स्थान रखती हैं। उन्होंने कहा, मैंने सोहरा पुलिस थाने को कैफे में बदलने का विचार तब दिया था, जब मैं इलाके में डीएसपी था। मुझे पता था कि इतिहास में खास स्थान रखने के कारण यह भवन बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करेगा। मेघालय सरकार ने दो साल पहले जब सोहरा में अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात करने के लिए नए थाना भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी, तब पुरानी इमारत से आर्थिक लाभ हासिल करने के इरादे से इसे कैफे में बदलने की कवायद तेज हो गई। सईम ने कहा, थाने को कैफे में बदलने का मतलब था पुलिस बल के लिए अतिरिक्त आय, जिसका इस्तेमाल पुलिस कल्याण के लिए किया जा सकता था। उन्होंने बताया कि कैफे के संचालन के लिए साझेदार चुनने के वास्ते निविदा प्रक्रिया दो साल पहले शुरू की गई। सईम के मुताबिक, युवा उद्यमी नफी नोनग्रम को कैफे के संचालन के लिए चुना गया, जिन्होंने इमारत की संरचना के हिसाब से इसका डिजाइन प्रस्तुत किया और इसे सोहरा 1885 नाम दिया। उन्होंने बताया कि नफी ने ब्रिटिश काल की वस्तुओं का इस्तेमाल कर पुलिस थाने को खूबसूरत कैफे का रूप दिया। नफी ने कहा, हमने जेलों को डाइनिंग रूम में तब्दील किया। आगंतुकों को कैफे का लुक और माहौल काफी अच्छा लगता है। सईम ने बताया कि नफी ने इमारत की दीवारों और फर्श में कोई बदलाव नहीं किया, क्योंकि ये आज भी काफी अच्छी स्थिति में हैं।

प्रकृति, इंजीनियरिंग और पर्यटन का अद्भुत संगम है झारखंड का मैथन डैम

मैथन डैम की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे उपयुक्त है, जब मौसम सुखद और ठंडा होता है। मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) झील और आसपास का क्षेत्र हरे-भरे हो जाते हैं, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

मैथन डैम, झारखंड के धनबाद जिले में स्थित एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, इंजीनियरिंग कौशल और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यह डैम बराकर नदी पर स्थित है और झारखंड तथा पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित है।

- **ऐतिहासिक और तकनीकी विशेषताएँ**

निर्माण और उद्देश्य: मैथन डैम का निर्माण 1953 से 1957 के बीच हुआ था और इसका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और विद्युत उत्पादन था। यह डैम भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के स्वप्नों में से एक था।

आकार और क्षमता: डैम की लंबाई लगभग 4,789 मीटर और ऊँचाई 50 मीटर है। इसका जलाशय 65 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जो मैथन झील के नाम से जाना जाता है।

- **विद्युत उत्पादन:** मैथन डैम में एशिया का पहला भूमिगत जलविद्युत संयंत्र स्थित है, जो 60 मेगावाट की क्षमता से बिजली उत्पन्न करता है।
- **पर्यटन आकर्षण**
- **मैथन झील:** झील की शांत जलराशि और हरे-भरे परिवेश इसे नौका विहार, मछली पकड़ने और पक्षी अवलोकन के लिए आदर्श बनाते हैं।
- **डियर पार्क:** डैम के पास स्थित डियर पार्क में पर्यटक हिरणों को प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं।
- **कल्याणेश्वरी मंदिर:** डैम से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर माँ काली को समर्पित है और धार्मिक आस्था का केंद्र है।
- **पिकनिक और फोटोग्राफी:** मैथन डैम का सुंदर परिदृश्य इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त स्थान बनाता है, विशेषकर सूर्यास्त के समय।
- **कैसे पहुँचें**
- **सड़क मार्ग:** मैथन डैम, धनबाद से लगभग 48 किलोमीटर और आसनसोल से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

- **रेल मार्ग:** निकटतम रेलवे स्टेशन बराकर है, जो डैम से लगभग 8 किलोमीटर दूर है।
- **वायु मार्ग:** निकटतम हवाई अड्डा रांची में स्थित है, जो डैम से लगभग 194 किलोमीटर दूर है।
- **यात्रा का सर्वोत्तम समय**

मैथन डैम की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे उपयुक्त है, जब मौसम सुखद और ठंडा होता है। मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) झील और आसपास का क्षेत्र हरे-भरे हो जाते हैं, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

- **यात्रा सुझाव**

डैम क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति आवश्यक हो सकती है; यात्रा से पहले स्थानीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करें।

डैम के किनारे फिसलन हो सकती है; उचित जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें।

मैथन डैम न केवल झारखंड का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, बल्कि यह भारत के इंजीनियरिंग कौशल और प्राकृतिक सौंदर्य का भी प्रतीक है। यदि आप प्रकृति, इतिहास और रोमांच का संगम अनुभव करना चाहते हैं, तो मैथन डैम की यात्रा अवश्य करें।

जिला पंचायत के सीईओ ने 25 लापरवाहों का काटा वेतन

रीवा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने गत दिवस जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा की। निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने तथा अपेक्षा के अनुरूप प्रगति न होने पर 20 उपयंत्री, रोजगार सहायक एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देकर उत्तर संतोषजनक न होने पर सात दिन का वेतन राजसात करने के आदेश दिए हैं। जारी अलग.अलग आदेशों के अनुसार उपयंत्री अजय पटेल धौचट, उपयंत्री अशोक शुक्ला बहुरीबांध, उपयंत्री स्मिता तिवारी टीकर, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान गोविंद नारायण श्रीवास्तव तथा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत जवा नागेन्द्र सिंह का वेतन काटा गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत नईगढ़ी अनीष पाण्डेय, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मऊगंज अमित द्विवेदी, उपयंत्री रतनगवां खास ददन पाठक, उपयंत्री देवतालाब पवन गुप्ता तथा उपयंत्री कनकेसरा बैकुंठ शुक्ला का वेतन काटने के आदेश दिए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने उपयंत्री उमरी शिवेन्द्र मोहन तिवारी, उपयंत्री सीतापुर शोभनाथ साकेत, उपयंत्री महसांव महेश स्वर्णकार, उपयंत्री लक्ष्मणपुर लक्ष्मीकांत तिवारी, उपयंत्री अगडाल अरूण पटेल तथा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत रीवा रश्मि गौतम का वेतन काटने के आदेश दिए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने 9 लापरवाह ग्राम रोजगार सहायकों के भी सात दिन का वेतन काटने के आदेश दिए हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान, मनरेगा योजना तथा अन्य निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने पर यह कार्यवाही की गई है।

जारी आदेश के अनुसार ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत जिउला शुभम तिवारी, ग्राम रोजगार सहायक डिहिया नरसिंहपुर प्यारेलाल साकेत, ग्राम रोजगार सहायक पंचायत पड़िया अंजू सिंह, जीतेन्द्र रावत ग्राम रोजगार सहायक पुरैनी, रजनीश पाठक ग्राम रोजगार सहायक बम्हौरी, नीतू कुशवाहा ग्राम रोजगार सहायक करहिया नम्बर एक, लोकनाथ यादव ग्राम रोजगार सहायक सुपिया, श्रद्धा पाण्डेय ग्राम रोजगार सहायक शिवपुर्वा 601 तथा ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत नौवस्ता वंदना शुक्ला के सात दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की है।

संभागीय दलों ने जल गंगा संवर्धन अभियान में निभाई सहभागिता

रीवा। संभाग के सभी जिलों में जारी जल गंगा संवर्धन अभियान की निगरानी के लिए कमिश्नर बीएस जामोद ने संभागीय अधिकारियों के 6 दल तैनात किए हैं। इन दलों द्वारा भ्रमण करके जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे जल संरक्षण के कार्यों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। दल क्रमांक 5 ने सतना जिले के बहेलिया घाटए रूहिया एवं ग्राम पंचायत पाल का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र तथा बहेलिया घाट में संचालित गौशाला का भी निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान जल संरक्षण के लिए बनाए जा रहे खेत तालाब, अमृत सरोवर तथा रिचार्ज पिट का निरीक्षण किया गया। दल में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी, अधीक्षण यंत्री ऊर्जा प्रमा पाण्डेय तथा अन्य अधिकारी शामिल रहे। दल क्रमांक एक ने सतना जिले के रामपुर बघेलान नगर परिषद के वार्ड क्रमांक दो खनाई में तालाब के जीर्णोद्धार का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित सीएमओ को तालाब के किनारे उचित सुरक्षा व्यवस्था करके पौधरोपण की सलाह दी गई। समीप की बस्ती में स्थित हैण्डपंप के सुधार के भी निर्देश दिए गए। इसके बाद दल ने सज्जनपुर में हैण्डपंप में बनाए गए रिचार्ज पिट तथा खेत तालाब का निरीक्षण किया। ग्राम नरसिंहपुर में खेत तालाब और अन्य जल संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया गया। दल ने बिरसिंहपुर नगर परिषद में शीतला माता तालाब तथा उड़ाई तालाब में कराए जा रहे गहरीकरण और साफ सफाई का भी निरीक्षण किया। इस दल में सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. एमएल गुप्ता, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन तथा अन्य अधिकारी शामिल रहे।

धरती आबा, जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत शिविर 15 जून से 30 जून तक

रीवा। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 जून से 30 जून तक शिविर आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि अभियान अन्तर्गत शिविरों में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम किसान, जनधन खाता के वितरण के साथ ही सिकलसेल रोग और उसके परीक्षण के विषय में लोगों को जागरूक किया जायेगा। उन्होंने शिविर में व्यक्तिगत लाभ हेतु शेष पीवीटीजी बस्तियों एवं जनजातीय गांव के चिन्हांकन, क्लस्टर स्तर पर जागरूकता एवं लाभ वितरण शिविर आयोजन, ईकेवायसी और दस्तावेजी संबंधी सेवाओं के लिये एनजीओ, सीएससी या अन्य संगठनों को शामिल कर लाभार्थियों की रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिये हैं। शिविर में स्वास्थ्य, खाद्य, पंचायतीराज, ग्रामीण विकास सामाजिक न्याय, कृषि और राजस्व आदि विभागों द्वारा लाभ दिलाने के निर्देश दिये गये हैं।

क्योंटी मुख्य नहर के किनारे रतहरा कोष्टा में होगा वृक्षारोपण, बनेगा पाथ वे व साइकिल ट्रेक

कलेक्टर ने स्थल निरीक्षण कर दिये आवश्यक निर्देश

रीवा। रीवा तेजी से बढ़ता हुआ शहर है यहाँ अधोसंरचना विकास कार्यों के साथ ही पर्यटकों व शहर वासियों के लिये सुकून भरे पल बिताने के उद्देश्य से विभिन्न पर्यटन स्थल पार्क विकसित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में क्योंटी मुख्य नहर के किनारे रतहरा.कोष्टा में वृक्षारोपण किया जायेगा साथ ही पाथवे व साइकिल ट्रेक भी बनेगा। जहां शहरवासी सुबह शाम टहल सकेंगे व सुरम्य वातावरण में सुकून के पल बिता सकेंगे।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने रतहरा नहर के किनारे 3 किमी क्षेत्र में बनाये जाने वाले स्थल का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर नहर के किनारे आरसीसी सड़क का निर्माण करायें तथा सड़क के किनारे सघन वृक्षारोपण कराकर पाथवे व साइकिल ट्रेक का निर्माण करायें। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन सहित नगर निगम, सिंचाई विभाग व राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों को दे रहा उन्नत खेती का संदेश

रीवा। रीवा और मऊगंज जिले में 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कृषि तथा उससे जुड़े विभागों के अधिकारी एवं कृषि वैज्ञानिक ग्राम पंचायतों में जाकर किसानों को उन्नत खेती का संदेश दे रहे हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि मऊगंज जिले के ग्राम बहेरा, जोधपुर तथा गेरूआरी सेंगरान में आयोजित शिविर में किसानों को मिट्टी परीक्षण तथा उन्नत बीजों की जानकारी दी गई। रीवा विकासखण्ड में ग्राम मगुरिहाई, रौसर तथा खैरा में शिविर लगाए गए। इनमें किसानों को विधि से धान की रोपाई, पैडी ट्रांसप्लांटर के उपयोग, नरवाई से खाद बनाने तथा मिट्टी परीक्षण कराकर प्रत्येक खेत का मृदा हेल्थ कार्ड बनाने के संबंध में जानकारी दी गई। इन शिविरों में सरपंच श्री संतोष सोहगौरा, सरपंच संगीता कुशवाहा, सरपंच गीता प्रजापति तथा 172 किसान शामिल हुए। किसानों को कृषि वैज्ञानिक द्वारा कीट प्रबंधन, बीजों के उपचारए श्री अन्न की खेती, डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना एवं सिंचाई प्रबंधन की जानकारी दी गई।

बैठक रोपित पौधों की सुरक्षा और देखभाल की पूरी व्यवस्था करें

हर विकासखण्ड में एक लाख पौधे रोपित करने की तैयारी करें: कलेटर

न्याय की गुहार ■ रीवा

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने वर्षाकाल में पौधारोपण के तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी विकासखण्डों में एक.एक लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। इसके लिए तत्काल तैयारी शुरू कर दें। वन विभागए ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा नगरीय निकाय पौधारोपण के लिए स्थान निर्धारित करके तत्काल गड्ढे खुदवाना शुरू कर दें। पौधों की किस्म का निर्धारण करके वन विभाग, उद्यानिकी विभाग अथवा अन्य एजेंसी को तत्काल पौधे क्रय करने के आदेश जारी कर दें। रोपित पौधों की सुरक्षा और उचित देखभाल की पूरी व्यवस्था करें।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा पोषण वाटिकाओं में पाँच हजार पौधे रोपित कराएं। इसमें मुनगा तथा अन्य फलदार पौधों को प्राथमिकता दें। जिला शिक्षा अधिकारी भी उन सभी स्कूलों में वृक्षारोपण कराएं जहाँ सुरक्षित भूमि उपलब्ध है। स्कूल परिसरों में 15 जुलाई तक पाँच हजार पौधे रोपित कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि नगर निगम रीवा तथा अन्य नगरीय निकाय अमृत योजना के तहत शहर को हरा.भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण कराएं। विभिन्न विभागों और अशासकीय संस्थाओं को भी वृक्षारोपण के कार्य में सहभागी बनाएं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मनरेगा योजना से प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए प्रत्येक सीएफटी में ग्राम वन के प्रस्ताव तत्काल तैयार करें। ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े महिला स्वसहायता समूहों से भी वृक्षारोपण कराएं। महिलाओं द्वारा रोपित पौधों को वायुदूत ऐप में भी दर्ज कराएं जिससे इनकी मॉनीटरिंग की जा सके। आजीविका मिशन कम से कम 50 हजार पौधे रोपित कराएं। आयुक्त नगर निगम शहर के प्रमुख स्थलों तथा प्रमुख मार्गों में एक लाख पौधे रोपित कराएं। रतहरा तालाबए दो प्रमुख नहरों के किनारे, लक्ष्मणबाग परिसर, पशु चिकित्सा महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कालेज तथा झलबदरी तालाब के किनारे बड़ी संख्या में पौधे रोपित कराएं।

पौधरोपण के लिए बनाई गई कार्ययोजना

बैठक में बताया गया कि वन विभाग द्वारा चार लाख 34 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नगर निगम रीवा द्वारा एक लाख पौधे तथा जन अभियान परिषद द्वारा 15 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवड़े ने नगर निगम द्वारा बनाई गई वृक्षारोपण की कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रत्येक विकासखण्ड में एक लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे। इसकी ब्लॉकवार तथा ग्राम पंचायतवार तैयारी की जा रही है। उद्यानिकी विभाग में 47 हजार फलदार पौधे उपलब्ध हैं। इनका विभिन्न विभागों द्वारा रोपण कराया जाएगा।

कलेक्टर ने तीन इंजीनियरों को दिया नोटिस

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना तथा ग्राम पंचायत में अन्य मदों से स्वीकृत निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने पर तीन इंजीनियरों को कारण बताओ नोटिस दिया है। कलेक्टर ने सिरमौर जनपद पंचायत के सहायक यंत्री श्रीकांत द्विवेदी, उपयंत्री उमरी सेक्टर हीरालाल मिश्रा तथा उपयंत्री अटरिया सेक्टर राजेश पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस दिया है।

नोटिस का सात दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एक पक्षीय कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक अनीता पाण्डेय द्वारा रमनीता ऑफसेट 1/16/219 इंदिरा नगर, रीवा से मुद्रित एवं 1/16/219 इंदिरा नगर, रीवा से प्रकाशित। संपादक- अनीता पाण्डेय, मोबाइल 9589784040
MPHIN/2021/81/552 Email-Nyayakiguhar@gmail.com* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार -सभी विवादों केलिए रीवा न्यायालय मान्य होगा।